सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" स्वीकार करने की हिम्मत और सुधार करने की नीयत हो तो इंसान बहुत कुछ कर सकता है...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–301 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 22 नवंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

सूची से नाम गायब, चर्चा में सबसे आगे : देवेंद्र यादव को लेकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस में नई सियासी हलचल

आलोक तिवारी / रायपुर-भिलाई

19 नवंबर को कांग्रेस ने एआईसीसी सचिवों की नई सूची जारी की। मल्लिकार्जुन खरगे के अध्यक्ष रहते, केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी प्रेस रिलीज में तुरंत प्रभाव से नियुक्तियां लागू की गईं। छत्तीसगढ़ के लिए दो नए प्रभारी सचिव जितेंद्र बघेल और हरनाम सिंह बनाए गए। पूर्णचंद्र पाढ़ी को ओडिशा और नरेश ठाकुर को गुजरात की जिम्मेदारी मिली।

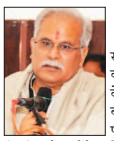
लेकिन इस सूची में एक नाम नहीं था — भिलाई के विधायक और एआईसीसी सचिव देवेंद्र यादव का। इसके बाद से ही छत्तीसगढ़ की राजनीति में चर्चा तेज हो गई है। देवेंद्र यादव पहले बिहार के प्रभारी सचिव रहे, फिर गुजरात की जिम्मेदारी संभाली। अब सूची में नाम न होने को सचिव पद से मुक्त किए जाने के रूप में देखा जा रहा है।



फेसबुक पोस्ट ने बढ़ाई चर्चा

इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ओएसडी रहे मनीष बंछोर की एक फेसबुक पोस्ट ने चर्चा को और हवा दे दी। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए लिखा — बाप तो बाप रहेगा, और जिस डाल पर बैठे हो उसी को काटोगे तो यही होगा, इति सिद्धम।

राजनीतिक गलियारों में इस पोस्ट को देवेंद्र यादव और भूपेश बघेल के बीच पुरानी तकरार की अगली कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। चर्चा है कि यूथ कांग्रेस के चुनाव के समय से ही दोनों के बीच दूरियां बढ़ी थीं।



भूपेश खेमे ने दी बधाई

उधर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर नवनियुक्त सचिवों को बधाई दी और कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रभारी सचिव के रूप में जितेंद्र बघेल और हरनाम सिंह का स्वागत है। पूर्णचंद्र पाढ़ी और नरेश ठाकुर की नियुक्ति को उन्होंने छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं के लिए गौरव का विषय बताया। मनोज चौहान, बॉबी भगत और इफ्तेकार अहमद ने भी बधाई दी।

क्या है देवेंद्र यादव का सियासी कद?

देवेंद्र यादव की राजनीति एनएसयूआई से शुरू हुई। यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष, भिलाई के महापौर और फिर दो बार विधायक बने। बलौदाबाजार कांड में गिरफ्तारी और जेल जाने के दौरान ही एआईसीसी ने उन्हें सचिव बनाकर बिहार की जिम्मेदारी सौंपी थी। बाद में वे सतनामी समाज की आवाज बनकर प्रदेश भर में उभरे। लोकसभा चुनाव में बिलासपुर से कांग्रेस प्रत्याशी रहे।



छत्तीसगढ़ में बड़ी भूमिका की चर्चा

दूसरी ओर पार्टी सूत्रों के हवाले से चर्चा है कि देवेंद्र यादव का एआईसीसी से पत्ता नहीं कटा है, बल्कि छत्तीसगढ़ में बड़ी भूमिका की तैयारी है। राष्ट्रीय जिम्मेदारी के कारण उनका अधिकांश समय बाहर के राज्यों में बंट रहा था, जबकि प्रदेश के कार्यकर्ता चाहते हैं कि वे छत्तीसगढ़ में पूरा समय दें। बताया जा रहा है कि छह महीने पहले उन्होंने खुद भी प्रदेश में संगठन के लिए काम करने की इच्छा जताई थी।

पार्टी अब 2028–29 की तैयारी में जुटने वाली है और प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का कार्यकाल भी पूरा हो चुका है। ऐसे में आलाकमान उनकी ऊर्जा और संगठन क्षमता को प्रदेश में इस्तेमाल करने का मन बना चुका है, ऐसी चर्चा जोरों पर है। इससे पहले भी कार्यकारी अध्यक्ष से जुड़े पत्र को लेकर हलचल मची थी, जब दीपक बैज ने एक्स पर देवेंद्र यादव को बधाई दी थी और फिर वह पोस्ट हटा दी गई थी। फिलहाल तस्वीर यह है कि एक तरफ भूपेश बघेल की लोकप्रियता है, तो दूसरी तरफ देवेंद्र यादव की युवा ऊर्जा और कार्यकताओं का बड़ा नेटवर्क। कांग्रेस के लिए 2028 में भाजपा से मुकाबले में दोनों की भूमिका अहम मानी जा रही है।

रिश्वत लेते GST अधिकारी और साथी गिरफ्तार, रिश्वत की रकम नाली में फेंकी



नई दृष्टिबिंदु / कांकेर

कांकेर। जगदलपुर ACB की टीम ने शनिवार को कांकेर में GST अधिकारी अंचला गिरी और उनके साथी इमरान मेमन (30, निवासी संजयनगर, कांकेर) को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया। स्क्रैप कारोबारी मोहम्मद शोएब रंगरेज के अनुसार, 18 नवंबर को वैध बिल होने के बावजूद 3 लाख रुपये के स्क्रैप लदी गाड़ी रोकी गई और गाड़ी जब्ती की धमकी देकर 10 लाख रुपये की पेनाल्टी मांगी गई। कारोबारी ने अधिकारी के अधिकृत होने पर भी सवाल उठाया था। मामला रफा-दफा करने के लिए पहले 2 लाख और फिर 1.5 लाख रुपये की मांग तय हुई, जिसमें 50 हजार रुपये पेनाल्टी और बाकी रकम घर पर देने की बात हुई।

इसकी शिकायत कारोबारी ने ACB से की थी। शिकायत की जांच के बाद शनिवार को ACB ने अधिकारी के घर रेड मारी। भनक लगते ही साथी इमरान मेमन ने रिश्वत की रकम नाली में फेंक दी। एसीबी अधिकारी रमेश कुमार मरकाम के मुताबिक, इमरान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। दोनों से पूछताछ जारी है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 व 12 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

15 करोड़ की फिरौती! दुर्ग के कारोबारी को व्हाट्सऐप कॉल पर जान से मारने और विस्फोट से उड़ाने की धमकी, कोतवाली में FIR

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला दुर्ग के थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र में एक व्यापारी से व्हाट्सऐप कॉलिंग के माध्यम से 15 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई है। पैसे नहीं देने पर जान से मारने और विस्फोट से उड़ाने की धमकी दी गई है।

मामले में थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने अज्ञात कॉलर के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर लिया है और जांच की जा रही है। सीएसपी मणिशंकर चंद्रा ने वीडियो बयान में बताया कि व्यापारी द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया था, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि जो भी आरोपी रहेगा, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि अगर किसी को भी धमकी भरा कॉल आता है या कोई धमकाता है तो उसकी रिपोर्ट नजदीकी पुलिस स्टेशन में जरूर करें।

बता दें कि व्यापारी को 19 नवंबर को वॉट्सऐप पर वॉइस नोट और फोन कॉल कर रकम मांगी गई थी। शिकायत के बाद पुलिस ने कारोबारी के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस मोबाइल नंबर और वॉइस नोट की तकनीकी जांच कर रही है।

जेल में VIP सिस्टम खत्म : 58 साल बाद काम मिलेगा रोटेशन से

नहीं चलेगा अब रसूख, नियम 385 खत्म, विचाराधीन बंदियों को मिलेंगी समान सुविधाएं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



छत्तीसगढ़ की जेलों में अब जाति और सामाजिक हैसियत के आधार पर बंदियों का वर्गीकरण नहीं होगा। नियम 385 खत्म, विचाराधीन बंदियों को मिलेंगी समान सुविधाएं। राज्य सरकार ने 58 साल पुराने छत्तीसगढ़ कारागार नियम, 1968 के सात प्रावधानों में संशोधन किया है। इसके तहत बंदियों के लिए 'उच्च जीवन स्तर के आदी' होने का उल्लेख हटाने के साथ रसोइयों के चयन से जुड़ी शर्त भी समाप्त की गई है। ये बदलाव जेलों में जातिगत भेदभाव खत्म करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप किए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने जातिगत भेदभाव को बताया था असंवैधानिक

सुप्रीम कोर्ट ने पत्रकार सुकन्या शांता की याचिका पर ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। अदालत ने कहा था कि झाड़ू लगाने और सफाई जैसे काम हाशिये की जातियों के बंदियों को सौंपना तथा खाना बनाने जैसे काम ऊंची जातियों के लोगों को देना भेदभावपूर्ण है। जेलों में काम का आवंटन जाति के आधार पर नहीं किया जा सकता। अदालत ने आदतन अपराधियों से जुड़े भेदभावपूर्ण प्रावधानों पर भी आपत्ति जताई थी।

आदेश के 22 महीने बाद बदले नियम

सुप्रीम कोर्ट ने 3 अक्टूबर 2024 को तीन महीने के भीतर जेल नियमों में संशोधन करने का निर्देश दिया था। इसके अनुसार छत्तीसगढ़ को जनवरी 2025 तक बदलाव करने थे, लेकिन राज्य सरकार ने नवंबर 2026 में संशोधन अधिसूचित किया। इस तरह तय समय-सीमा से करीब 22 महीने की देरी हुई। 18 फरवरी 2025 को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान छत्तीसगढ़ और दिल्ली ऐसे दो राज्य थे, जिन्होंने अनुपालन रिपोर्ट दाखिल नहीं की थी। अदालत ने दोनों को एक सप्ताह का समय दिया था।

सामाजिक हैसियत के आधार पर नहीं होगा वर्गीकरण

नए संशोधन के तहत नियम 385 से वे शब्द हटा दिए गए हैं, जिनमें सामाजिक स्थिति, शिक्षा और रहन-सहन के तरीके के कारण कुछ बंदियों को 'उच्च जीवन स्तर का आदी' बताया गया था। इस प्रावधान के जरिए बंदियों की सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर अलग श्रेणी बनाने की गुंजाइश थी। अब इस तरह का उल्लेख नियमों में नहीं रहेगा। इसके अलावा नियम 307, 369 और 421 को पूरी तरह हटा दिया गया है। नियम 395 के उपनियम (8) के एक खंड में भी संशोधन किया गया है।

रसोइयों के चयन की शर्त भी हटाई

जेलों में भोजन बनाने वाले रसोइयों की नियुक्ति से संबंधित नियम 562 में भी बदलाव किया गया है। इसमें रसोइयों के 'अन-अभ्यासिक वर्ग में से' होने की शर्त हटा दी गई है।

कैदियों से काम अब चक्रानुक्रम में

कैदियों का नियोजन चक्रानुक्रम यानी रोटेशन के आधार पर किया जाएगा। इसका मतलब है कि जेलों में काम का आवंटन किसी बंदी की जाति या सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर नहीं होगा। हालांकि, इस व्यवस्था में शौचालयों की सफाई को शामिल नहीं किया गया है। शौचालयों की सफाई के लिए किस तरह जिम्मेदारी तय होगी, यह एक महत्वपूर्ण सवाल है। संशोधन में इस अपवाद के पीछे की वजह और वैकल्पिक व्यवस्था का विस्तृत उल्लेख नहीं है।

जेल कानून की धारा 385 खत्म यानी सब बंदी बराबर

जेल से संबंधित कानून की धारा 385 का प्रावधान केवल विचाराधीन बंदियों पर लागू होता है। सजायाफ्ता सब कैदी एक समान हैं। विचाराधीन बंदी यानी उनके अभियोग पर फैसला नहीं हुआ है। इनके लिए 385 का प्रावधान सामाजिक स्थिति, शिक्षा और पूर्व रहन-सहन के आधार पर उच्च जीवन स्तर का अभ्यस्त होने वाली अवधारणा को स्थापित करता है।

अब सभी विचाराधीन बंदियों को समान सुविधाएं

दरअसल अब तक ये व्यवस्था थी कि, अगर कोई उच्च सामाजिक स्थिति वाला या इनकम टैक्स अदा करने वाला व्यक्ति अदालत में अपनी सामाजिक स्थिति बताकर विशेष व्यवस्था की मांग करता तो उसे नियम 385 के तहत विशेष सुविधा जेल में मिलती थी। लेकिन इस धारा को हटा दिया गया है। इसलिए जेल में अब सभी विचाराधीन बंदी बराबर हैं, कोई वीआईपी नहीं।

अंडा में पानी पाउच का कारोबार सवालों के घेरे में, निर्माण तिथि का उल्लेख नहीं!



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-अंडा

ग्राम अंडा में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के नाम पर बिक रहे सीजोसी ब्रांड के पानी पाउच की पैकेजिंग और निर्माण संबंधी जानकारी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पाउच पर निर्माता के रूप में M.K. GROUP का नाम दर्ज है। पैकेट पर उपलब्ध पते के अनुसार इस समूह का कार्यस्थल विनायकपुर रोड, बस स्टैंड, अंडा में स्थित है। सबसे अहम सवाल यह है कि पाउच पर पानी को 5 दिन के भीतर उपयोग करने की हिदायत तो दी गई है, लेकिन पैकेजिंग कब हुई, इसकी निर्माण तिथि स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रही है। ऐसे में उपभोक्ता कैसे पता लगाए कि खरीदा गया पानी कितने दिन पुराना है?

250 ML के इस पाउच पर 3 रुपये MRP अंकित है, जबकि बाजार में यह 2 रुपये में बेचा जा रहा है। ग्राम अंडा की शराब भट्ठी के आसपास से लेकर आसपास के गांवों तक इसकी बिक्री धड़ल्ले से हो रही है। जानकारी के मुताबिक कई सरकारी कार्यक्रमों से लेकर निजी आयोजनों में भी इसकी आपूर्ति की जा रही है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर विभाग को इसकी जानकारी होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने के आरोप हैं। वहीं, ग्राम अंडा में संचालित इस इकाई के लिए ग्राम पंचायत की NOC और अन्य जरूरी अनुमतियों को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

अब खाद्य विभाग से सीधे सवाल हैं - M.K. GROUP की इस इकाई का निरीक्षण कब हुआ? क्या पानी के नमूनों की प्रयोगशाला में जांच कराई गई? पैकेट पर 5 दिन में उपयोग करने की हिदायत है तो पैकेजिंग की तारीख कहां दर्ज है? क्या सरकारी कार्यक्रमों में आपूर्ति से पहले गुणवत्ता की जांच की गई?

पेयजल सीधे लोगों की सेहत से जुड़ा मामला है। इसलिए विभाग को M.K. GROUP की इकाई का निरीक्षण कर पानी की गुणवत्ता, लाइसेंस, पैकेजिंग और अनिवार्य विवरणों की जांच करनी चाहिए। इस मामले में संबंधित कंपनी और विभाग का पक्ष भी सामने आना जरूरी है।

चोरी के 8 स्टेफनी चक्का और 5 बैटरी के साथ शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

रायपुर। थाना सिविल लाइन पुलिस ने चोरी के 8 स्टेफनी चक्का और 5 बैटरी एवं घटना में प्रयुक्त 1 मोस्ट्रो एवं टूल्स के साथ शातिर वाहन चोर शेख शोएब उर्फ बिट्टू को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त मध्य क्षेत्र तारकेश्वर पटेल के निर्देशन में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए मुखबिर लगाकर पेट्रोलिंग व सूचना संकलन किया जा रहा था। इसी दौरान टीम को घटना में संलिप्त आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

प्रार्थी राहुल देवनानी ने 16 नवंबर को थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसने अपनी मारुति रिट्ज़ कार क्रमांक CG 04 KX 6500 को मल्टी लेवल पार्किंग कलेक्ट्रेट के पास पार्क करके रखा था। 15 नवंबर को शाम 7:45 बजे कार लेने गया तो देखा कि कार के दाहिने साइड का कांच टूटा हुआ था एवं चारों दरवाजा खुला हुआ था। अंदर चेक करने पर कार की बैटरी एवं स्टेफनी नहीं थी। कोई अज्ञात चोर कार के अंदर घुसकर बैटरी व स्टेफनी कीमत 10,000 रुपये चोरी कर ले गया था।

छग की राजनीति में "बाप तो बाप होता है" बयान पर सियासी घमासान, युवा कांग्रेस सचिव मनीष ने दिया करारा जवाब

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजनीति में "बाप तो बाप होता है" पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के डरऊनीय बंछोर के बयान ने सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक व्यापक चर्चा और हलचल पैदा कर दी है। इस बयान पर भूपेश-देवेंद्र के समर्थकों की ओर से लगातार प्रतिक्रियाएँ सामने आ रही हैं।

इसी क्रम में भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव के समर्थक एवं प्रदेश युवा कांग्रेस सचिव मनीष तिवारी ने बिना किसी का नाम लिए अपने आधिकारिक फेसबुक अकाउंट से तीखा राजनीतिक तंज कसा। उन्होंने लिखा - "राजनीति में कोई किसी का बाप नहीं होता। जनता ही सबसे बड़ी ताकत है, वही तय करती है कि असली नेतृत्व किसका है।"

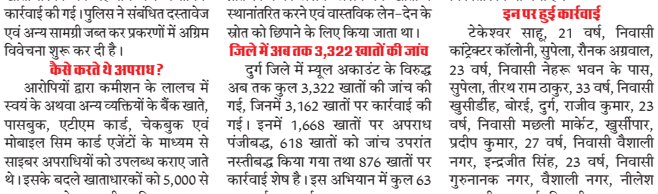


करारा जवाब मिलेगा।

मनीष तिवारी की इस पोस्ट को राजनीतिक हलकों में उस बयान का सधा हुआ और प्रभावी जवाब माना जा रहा है। सोशल मीडिया पर भी उनकी टिप्पणी तेजी से वायरल बनी हुई है, जहाँ समर्थक इसे लोकतांत्रिक मूल्यों और जनता की सर्वोच्चता का संदेश बता रहे हैं।

कमीशन के लालच में बैंक खाते साइबर ठगों को दिए, दुर्ग पुलिस ने 9 म्यूल खाताधारकों पर की कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



कमीशन के लालच में अपने बैंक खाते साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराने वाले 9 म्यूल खाताधारकों पर दुर्ग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। थाना भिलाई नगर एवं एसीसीयू की संयुक्त टीम ने थाना भिलाई नगर के अपराध क्रमांक 522/2026 एवं 523/2026, धारा 318(2), 318(3), 317(4) बीएनएस के तहत इनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की है।

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने 5,000 से 15,000 रुपये तक कमीशन के लालच में अपने बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं सिम कार्ड अन्य व्यक्तियों को उपलब्ध कराए थे। इन खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त अवैध धनराशि को विभिन्न खातों में स्थानांतरित करने एवं निकालने के लिए किया जा रहा था।

तकनीकी साक्ष्यों एवं बैंक खातों के विश्लेषण के आधार पर पंजाब एंड सिंध बैंक एवं सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से संबंधित कुल 09 खाताधारकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। दिनांक 20.11.2026 को सभी 09 खाताधारकों की पहचान कर वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस ने संबंधित दस्तावेज एवं अन्य सामग्री जब्त कर प्रकरणों में अग्रिम विवेचना शुरू कर दी है।

कैसे करते थे अपराध?

आरोपियों द्वारा कमीशन के लालच में स्वयं के अथवा अन्य व्यक्तियों के बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं मोबाइल सिम कार्ड एजेंटों के माध्यम से साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराए जाते थे। इसके बदले खाताधारकों को 5,000 से 15,000 रुपये तक कमीशन दिया जाता था। इन बैंक खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त रकम को अलग-अलग बैंक खातों में स्थानांतरित करने एवं वास्तविक लेन-देन के स्रोत को छिपाने के लिए किया जाता था।

जिले में अब तक 3,322 खातों की जांच

दुर्ग जिले में म्यूल अकाउंट के विरुद्ध अब तक कुल 3,322 खातों की जांच की गई, जिनमें 3,162 खातों पर कार्रवाई की गई। इनमें 1,668 खातों पर अपराध पंजीबद्ध, 618 खातों को जांच उपरांत नस्तीबद्ध किया गया तथा 876 खातों पर कार्रवाई शेष है। इस अभियान में कुल 63 एफआईआर दर्ज कर 349 खाताधारक एवं एजेंट तथा 02 बैंक अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है।

इन पर हुई कार्रवाई

टेकेश्वर साहू, 21 वर्ष, निवासी कट्टिक्टर कॉलोनी, सुपेला, रौनक अग्रवाल, 23 वर्ष, निवासी नेहरू भवन के पास, सुपेला, तीरथ राम ठाकुर, 33 वर्ष, निवासी खुसीडीह, बोरई, दुर्ग, राजीव कुमार, 23 वर्ष, निवासी मछली मार्केट, खुसीपार, प्रदीप कुमार, 27 वर्ष, निवासी वैशाली नगर, इन्द्रजीत सिंह, 23 वर्ष, निवासी गुरुनानक नगर, वैशाली नगर, नीलेश चक्रधारी, 23 वर्ष, निवासी सुभाष नगर, नंदिनी रोड, छावनी, परमजीत सिंह, 55 वर्ष, निवासी हाउसिंग बोर्ड, जामुल और गुरमेल सिंह, 36 वर्ष, निवासी सुभाष चौक, कैंप-01, वैशाली नगर शामिल हैं।

पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति को कमीशन अथवा आर्थिक लाभ के लालच में अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक, मोबाइल सिम कार्ड अथवा बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी उपलब्ध न कराएं। आपका बैंक खाता साइबर ठगी की रकम के लेन-देन में उपयोग होने पर आप भी कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं।

यदि आपके बैंक खाते अथवा दस्तावेजों का किसी अन्य व्यक्ति द्वारा गलत उपयोग किया गया है, तो तत्काल संबंधित बैंक एवं नजदीकी पुलिस थाना अथवा साइबर पुलिस को सूचना दें। साइबर वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं अथवा http://www.cybercrime.gov.in पर ऑनलाइन शिकायत करें।



रिसाली निगम चुनाव को लेकर भाजपा ने कसी कमर, 6 वार्डों में हुई वार्ड शक्ति केंद्र की संगठनात्मक बैठक

विधायक ललित चंद्राकर ने कार्यकर्ताओं को किया संबोधित, कहा- बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत कर जनता तक पहुंचाएं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

रिसाली नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आगामी नगर निगम चुनावों के मद्देनजर आयोजित वार्ड शक्ति केंद्र की संगठनात्मक बैठकों में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने सहभागिता कर भाजपा परिवार के सदस्यों को संबोधित किया।

विधायक ललित चंद्राकर ने वार्ड क्रमांक 26 अवधपुरी सरस्वती कुंज, वार्ड क्रमांक 31 शहीद किरण सिंह देशमुख, वार्ड क्रमांक 08 दशहरा मैदान, वार्ड क्रमांक 09 छोटा दशहरा मैदान, वार्ड क्रमांक 10 रिसाली सेक्टर एवं वार्ड क्रमांक 30 इस्पात नगर में आयोजित बैठकों में कार्यकताओं से विस्तृत चर्चा की।



बैठक में आगामी चुनाव की तैयारियों, संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने व जन-जन तक पहुंचकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों को पहुंचाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा, समर्पण और एकजुटता के साथ चुनावी मैदान में उतरने के लिए संकल्पित है। कार्यकताओं का उत्साह और जनता का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। हमें हर बूथ पर पहुंचकर सरकार के विकास कार्यों और योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि रिसाली की जनता ने हमेशा भाजपा पर विश्वास किया है। इस बार भी कार्यकताओं की मेहनत और जनता के आशीर्वाद से रिसाली नगर निगम में भाजपा का परचम लहराएगा।

इस अवसर पर रिसाली नगर निगम चुनाव सह प्रभारी अंशु चन्द्रवंशी, श्वेता शर्मा, जिला उपाध्यक्ष शिवेन्द्र परिहार, संतोष सोनी, जिला मंत्री शैलेन्द्र शेंडे, रिसाली मंडल अध्यक्ष एकनाथ अनुपम साहू, महामंत्री गुड्डूजा, मंडल उपाध्यक्ष सचिन गोस्वामी, कुलेश्वर साहू, महेन्द्र लोढ़ा, दीपक चोपड़ा, मनोज सोनी, निलेश अग्रवाल एवं महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष शकुंतला दास सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खास खबर

दुर्ग सांसद विजय बघेल के मॉर्निंग ग्रुप ने की सिंदूर उद्यान की सफाई



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारत देश के पहले सिंदूर उद्यान में दुर्ग सांसद विजय बघेल के मॉर्निंग ग्रुप ने सफाई अभियान चलाया। सांसद विजय बघेल के नेतृत्व में बने इस उद्यान में हर तीसरे या चौथे महीने सांसद विजय बघेल एवं उनके साथीगण निरंतर सफाई करते हैं।

इस सिंदूर उद्यान का विचार भिलाई के कलाकार एवं आर्टकॉम के संचालक निशु पाण्डेय को आया था। इस विचार को भव्यता प्रदान की दुर्ग सांसद विजय बघेल ने, जिन्होंने भिलाई के कर्मठ लोगों के कर कमलों से सिंदूर के पौधे लगाकर यह पूरा उद्यान बनाया। अब देखकर खुशी होती है जब सिंदूर के पौधों में सिंदूर के कोमल-कोमल फूल तैयार होते प्रतीत हो रहे हैं। दुर्ग सांसद और उनके साथियों का सपना है कि देश के प्रधान सेवक के इड़ निश्चयी विचारों से प्रेरित सिंदूर ऑपरेशन की याद में इस स्थान पर भारत देश की तीनों सेनाओं को समर्पित करता हुआ कोई प्रतीक चिन्ह लगे, जो भिलाई को राष्ट्रीय पहचान दे।

टीसीएस रूरल आईटी क्विज-2026 में तनीष ने हासिल किया उपविजेता का खिताब

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बीएसपी द्वारा संचालित बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल-10 के कक्षा 11वीं (ए) के छात्र तनीष कुमार साहू ने टीसीएस रूरल आईटी क्विज-2026 की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उपविजेता का खिताब हासिल कर विद्यालय एवं भिलाई इस्पात संयंत्र को गौरवान्वित किया है। बेंगलुरु में आयोजित इस प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तनीष ने 50 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि भी प्राप्त की।

राष्ट्रीय स्तर की इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए तनीष ने पहले जोनल स्तर की प्रतियोगिता में अपनी श्रेष्ठता साबित की। छह राज्यों के प्रतिभागियों के बीच आयोजित इस प्रतियोगिता में उन्होंने शीर्ष आठ प्रतिभागियों में स्थान बनाकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह सुनिश्चित की। बेंगलुरु में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में तनीष ने 120 अंक अर्जित कर अपनी ज्ञान क्षमता और विषय पर मजबूत पकड़ का परिचय दिया। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने गुजरात के एक प्रतिभागी के बराबर अंक हासिल करते हुए संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके बाद हुए टाई-ब्रेकर राउंड में उन्होंने द्वितीय स्थान हासिल कर राष्ट्रीय उपविजेता का खिताब अपने नाम किया। राष्ट्रीय स्तर पर तनीष की यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गौरव का विषय है। उनकी इस सफलता से अन्य विद्यार्थियों को भी आगे बढ़ने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी।

संतुलित आहार, हमर अधिकार अभियान के तहत खाद्य एवं औषधि प्रशासन की निरंतर कार्रवाई

दुर्ग। आम नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में 16 से 30 नवंबर तक विशेष जागरूकता एवं जांच अभियान संतुलित आहार, हमर अधिकार संचालित किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त श्री दीपक अग्रवाल के निर्देशन तथा अभिहित अधिकारी श्री जितेंद्र नेले के मार्गदर्शन में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती रिचा शर्मा एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी नारदराम कोमरे की टीम द्वारा जिले के विभिन्न भोजनालयों, रेस्टोरेंट, ढाबों और कैंटीन आदि की सघन जांच की जा रही है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा जिले भर में निरंतर निरीक्षण एवं कार्रवाई की जा रही है।

धान से लेकर दलहन, तिलहन और मिलेट्स उत्पादक किसानों को मिल रहा लाभ : संदीप

कृषक उन्नति योजना, गन्ना प्रोत्साहन और फसल विविधीकरण से किसानों की आर्थिक सुरक्षा को मिल रही मजबूती



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में अन्नदाताओं के हित में लगातार महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। धान उत्पादक किसानों को प्रति एकड़ 13,839 रुपये की आदान सहायता, गन्ना किसानों को न्यूनतम 425 रुपये प्रति क्विंटल तथा दलहन, तिलहन और मिलेट्स उत्पादक किसानों को भी समर्थन मूल्य एवं प्रोत्साहन राशि का लाभ दिया जा रहा है। यह बात छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कही।

उन्होंने बताया कि कृषक उन्नति योजना के तहत धान खरीदी की अधिकतम सीमा 21 क्विंटल प्रति एकड़ निर्धारित है। अब किसानों को प्रति एकड़ समान रूप से 13,839 रुपये आदान सहायता देने का निर्णय लिया गया है। वहीं धान के स्थान पर अन्य फसल लेने वाले किसानों को प्रोत्साहन राशि 11 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की गई है। इस योजना में अब तक 52 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन कराया है। दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी और कपास उत्पादकों के लिए 10 हजार रुपये प्रति एकड़ सहायता का प्रावधान है।

संदीप शर्मा ने बताया कि खरीफ 2023 से खरीफ 2025 तक प्रदेश के 25 लाख से अधिक किसानों को कृषक उन्नति योजना के तहत 35,904 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। गन्ना किसानों को भी राज्य में 425 रुपये प्रति क्विंटल की न्यूनतम दर से भुगतान किया जा रहा है। कवर्धा में 488.67 रुपये, पंडरिया में 455.10 रुपये और बालोद में 432.62 रुपये प्रति क्विंटल तक भुगतान किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि दलहन एवं तिलहन उत्पादकों को भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी का लाभ दिया जा रहा है। वर्ष 2025-26 में 29 जिलों के 273 केंद्रों के माध्यम से 3.72 लाख क्विंटल से अधिक उपज की खरीदी कर किसानों को 219.08 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

उन्होंने कहा कि मिलेट्स उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 15 दिसंबर 2026 से 15 फरवरी 2027 तक कोदो, कुटकी और रागी की खरीदी की जाएगी। इससे किसानों को उचित मूल्य मिलने के साथ फसल विविधीकरण और उनकी आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

प्रेसवार्ता में जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, विधायक ललित चंद्राकर, जिला महामंत्री विनोद अरोरा, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष रोहित राजपूत एवं जिला मीडिया प्रभारी राजा महोबिया उपस्थित थे।

सेक्टर 5 कार्यालय में विधायक देवेंद्र यादव ने की भेंट-मुलाकात, पेंशन से लेकर सड़क-बिजली तक की मांगों पर की चर्चा



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आम नागरिकों की समस्याओं को सुनना और उनके निराकरण के लिए पहल करना जनप्रतिनिधि की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसी सोच के साथ भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने शुक्रवार को सेक्टर-5 स्थित अपने विधायक कार्यालय में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के तहत विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों से मुलाकात की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग अपनी व्यक्तिगत समस्याओं और वार्डों की मूलभूत जरूरतों को लेकर विधायक से मिलने पहुंचे।

भेंट-मुलाकात के दौरान खुर्सीपार से लेकर टाउनशिप क्षेत्र तक के नागरिकों ने अपनी परेशानियां विधायक के सामने रखीं। किसी ने कई महीनों से पेंशन नहीं मिलने की समस्या बताई और जल्द पेंशन शुरू कराने की मांग की, तो किसी ने अपने वार्ड में सड़क, नाली, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं की ओर ध्यान दिलाया। कुछ नागरिक राशन कार्ड बनवाने की मांग लेकर भी पहुंचे।

विधायक देवेंद्र यादव ने सभी लोगों की बातें गंभीरता से सुनीं और उनकी समस्याओं को समझते हुए संबंधित विषयों पर चर्चा की। उन्होंने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। जिन मामलों में विभागीय स्तर पर कार्रवाई की जरूरत है, उनमें संबंधित अधिकारियों तक बात पहुंचाकर निराकरण के लिए पहल की जाएगी।

विधायक ने कहा कि जनता से सीधा संवाद उनकी प्राथमिकता है। लोगों को अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए विधायक कार्यालय में नियमित रूप से भेंट-मुलाकात की जाती है। क्षेत्र के नागरिक अपनी बात सीधे उनके सामने रख सकें और उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में पहल हो सके।

भिलाई में सजी डॉ. येसुदास नाइट, सदाबहार गीतों ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

महात्मा गांधी कला मंदिर में संगीत संध्या का आयोजन, पीटी उल्लास कुमार और मुंबई की गायिका शाहीन ने दी शानदार प्रस्तुतियां

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा 18 नवंबर को महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर में पद्मविभूषण डॉ. के.जे. येसुदास को समर्पित ह्यडॉ. येसुदास नाइटह्व का आयोजन किया गया। सदाबहार फिल्मी गीतों से सजी इस संगीतमय शाम में गायकों और वाद्य कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों ने संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रशांत ओझा, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन-क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं) राजेंद्र प्रसाद और महाप्रबंधक (मार्स) एनके बंछोर सहित संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी मौजूद रहे।



संगीत संध्या में भिलाई इस्पात संयंत्र के ख्यातिलब्ध गायक पीटी उल्लास कुमार ने डॉ. येसुदास के लोकप्रिय फिल्मी गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। वहीं, मुंबई से आमंत्रित राष्ट्रीय स्तर की गायिका शाहीन ने अपनी मधुर आवाज और भावपूर्ण गायन से श्रोताओं का दिल जीत लिया। सहगायिकाओं अनुष्का, मधुरिमा रे और तान्या समद्दर ने भी अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में चार चांद लगाए।

वाद्य संगीत में तबले पर रविन्द्र कर्मकार, की-बोर्ड पर साईं चक्रवर्ती, बालसुब्रमण्यम एवं मिलाप, ढोलक पर भगवत साहू, ऑक्टोपैड पर देवव्रत मजूमदार, गिटार पर आशुतोष और बांसुरी पर सतीश सिन्हा ने शानदार संगत दी। कलाकारों की सामूहिक प्रस्तुति ने गीतों की मधुरता और प्रभाव को और बढ़ा दिया।

कार्यक्रम का संचालन सुप्रियो सेन ने किया। निःशुल्क प्रवेश वाले इस आयोजन में बड़ी संख्या में संगीत प्रेमियों ने भाग लिया। डॉ. येसुदास के सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियों ने उनकी विशिष्ट गायन शैली और भारतीय संगीत जगत में उनके अतुलनीय योगदान की यादें ताजा कर दीं।

बीएसपी में सेल रेल कॉन्क्लेव-2026 का हुआ आयोजन, सेल और भारतीय रेलवे सहित अन्य ग्राहक संगठनों के प्रतिनिधियों ने लिया भाग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा इस्पात भवन, भिलाई में सेल रेल कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन किया गया, जिसमें सेल, भारतीय रेलवे एवं अन्य ग्राहक संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कॉन्क्लेव के दौरान रेलवे क्षेत्र की बदलती आवश्यकताओं, रेल उत्पादों की गुणवत्ता एवं तकनीकी विकास, उत्पादन क्षमताओं और भविष्य की मांगों के अनुरूप उत्पाद विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में संयंत्र की उत्पादन क्षमताओं के प्रत्यक्ष अवलोकन, तकनीकी प्रस्तुतियों तथा अधिकारियों के साथ संवाद के माध्यम से ग्राहकों के साथ सहयोग को और सुदृढ़ बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई।



कार्यक्रम के प्रारंभ में भारतीय रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र से मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर संवाद किया। इस दौरान भारतीय रेलवे की बदलती आवश्यकताओं, रेल उत्पादों की गुणवत्ता एवं तकनीकी विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। सेल के निदेशक (वाणिज्यिक) टी. एन. नटराजन ने भारतीय रेलवे की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा दोनों संगठनों के बीच साझेदारी को और मजबूत बनाने के लिए सेल की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने ग्राहकों की अपेक्षाओं को समझने और रेलवे क्षेत्र की बदलती मांगों के अनुरूप सामूहिक रूप से कार्य करने के महत्व पर बल दिया।

इसके पश्चात कॉन्क्लेव में शामिल भारतीय रेलवे सहित अन्य ग्राहक संगठनों के प्रतिनिधियों ने संयंत्र का भ्रमण किया। इस दौरान सर्वप्रथम उन्होंने सेफ्टी एक्सीलेंस सेंटर में सुरक्षा संबंधी जानकारी प्राप्त की, तत्पश्चात ब्लास्ट फर्नेस-8, स्टील मेल्टिंग शॉप-3, रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल तथा यूनिवर्सल रेल मिल की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। इस भ्रमण के माध्यम से प्रतिनिधियों को संयंत्र की एकीकृत इस्पात निर्माण प्रक्रिया, उत्पादन व्यवस्थाओं और विशेष रूप से रेल निर्माण से जुड़ी तकनीकी एवं विनिर्माण क्षमताओं को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का अवसर मिला।

इसके पश्चात भिलाई निवास में आयोजित कॉन्क्लेव के औपचारिक सत्र में भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र एवं सेल के निदेशक (वाणिज्यिक) टी. एन. नटराजन विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सेल के कार्यपालक निदेशकों, भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधकगण तथा भारतीय रेलवे एवं अन्य ग्राहक संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की भी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर सेल के निदेशक टी. एन. नटराजन ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने इस कॉन्क्लेव को सेल एवं उसके ग्राहकों के बीच संवाद और विचारों के आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने भारतीय रेलवे की बढ़ती एवं बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप रेल उत्पादों के विकास और उनकी गुणवत्ता में निरंतर सुधार पर बल दिया। उन्होंने ग्राहकों की अपेक्षाओं को समझने, उनके साथ निकट समन्वय स्थापित करने तथा रेलवे क्षेत्र की भावी जरूरतों को पूरा करने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने के महत्व को रेखांकित किया। भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री चित्तरंजन महापात्र ने अपने उद्बोधन में रेलवे क्षेत्र की उभरती चुनौतियों और बदलती मांगों के अनुरूप निरंतर सुधार, नवाचार तथा सामूहिक प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया।

बीएसपी के प्लांट गैरेज में नवीनीकृत चेन लोडर-707 का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के प्लांट गैरेज की टीम ने आपसी समन्वय, समर्पण एवं कार्यकुशलता का परिचय देते हुए एसएमएस-2 के कन्वर्टर क्षेत्र के जीरो मीटर लेवल पर कार्यरत चेन लोडर-707 का सफलतापूर्वक नवीनीकरण एवं पुनरुद्धार किया। लंबे समय से अनुपलब्ध इस मशीन को पुनः परिचालन में लाने से कन्वर्टर क्षेत्र में हॉट मेटल स्लैग एवं मलबे की निकासी के कार्य को गति मिलेगी।

यह पहल उपकरणों की उपलब्धता एवं परिचालन दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन तथा संबंधित विभागों के सहयोग से लंबे समय से अनुपलब्ध इस मशीन को पुनः परिचालन योग्य बनाया गया। नवीनीकृत चेन लोडर का शुभारंभ कार्यकारी कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी बी.के. बेहेरा ने किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक राजीव श्रीवास्तव, कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक एवं महाप्रबंधक बी.डी. बाबू, महाप्रबंधक एन. के. बंछोर सहित प्लांट गैरेज, सीबीडी एवं एसएमएस-2 के अधिकारीगण उपस्थित रहे।



उल्लेखनीय है कि चेन लोडर-707 का उपयोग कन्वर्टर क्षेत्र में हॉट मेटल स्लैग एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों (मलबे) की निकासी के लिए किया जाता है। इसकी उपलब्धता बहाल होने से कार्य में सुगमता आएगी तथा कन्वर्टर क्षेत्र की परिचालन गतिविधियों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने में सहायता मिलेगी।

इस अवसर पर बी. के. बेहेरा ने प्लांट गैरेज की टीम एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों और कार्मिकों द्वारा किए गए समर्पित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी को आपसी समन्वय, उत्साह एवं प्रतिबद्धता के साथ इसी प्रकार कार्य करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने उपकरणों की विश्वसनीयता बढ़ाने तथा परिचालन उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जाने वाली ऐसी पहलों के लिए निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करने का आश्वासन दिया। चेन लोडर के नवीनीकरण का कार्य बी. के. बेहेरा के मार्गदर्शन एवं सहयोग तथा बी.डी. बाबू के नेतृत्व में पूरा किया गया। इस कार्य में प्रदीप भौमिक एवं पार्थ घोष के देखरेख में प्लांट गैरेज की टीम एवं संबंधित विभागों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

चेन लोडर-707 का पुनरुद्धार एवं पुनः परिचालन में आना मशीन की उपलब्धता बढ़ाने के साथ-साथ एसएमएस-2 में स्लैग एवं मलबे की निकासी को अधिक सुगम बनाने में सहायक होगा। यह पहल उपकरणों के बेहतर रखरखाव, उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि तथा उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग की दिशा में भिलाई इस्पात संयंत्र के समन्वित प्रयासों को रेखांकित करती है।

भारत मंडपम में छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला, संस्कृति और शिल्प परंपराओं की बिखरी अनुपम छटा

संस्कृति विभाग के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पवेलियन का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला, संस्कृति, परंपराओं और शिल्प कौशल की मनोहारी झलक देखने को मिल रही है। मेले में स्थापित छत्तीसगढ़ पवेलियन प्रदेश की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय अस्मिता और पारंपरिक हस्तशिल्प की विशिष्ट पहचान को प्रदर्शित कर रहा है। संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने छत्तीसगढ़ पवेलियन का निरीक्षण कर वहां प्रदर्शित विभिन्न कलाकृतियों, पारंपरिक वस्त्रों, कोसा रेशम तथा जनजातीय संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।



निरीक्षण के दौरान डॉ. कन्नौजे ने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक शिल्पकला, हस्तनिर्मित उत्पादों और सांस्कृतिक विरासत के विविध स्वरूपों की जानकारी ली। उन्होंने प्रदेश के शिल्पकारों की कलात्मक प्रतिभा, परंपरागत कौशल और पीढ़ियों से संरक्षित सांस्कृतिक धरोहर के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोककला, जनजातीय संस्कृति और पारंपरिक शिल्प हमारी सांस्कृतिक पहचान के महत्वपूर्ण आधार हैं। इनका संरक्षण, संवर्धन और व्यापक प्रचार-प्रसार प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

छत्तीसगढ़ पवेलियन में प्रदर्शित कोसा रेशम से निर्मित वस्त्र, पारंपरिक परिधान और हस्तशिल्प उत्पाद प्रदेश की विशिष्ट शिल्प परंपराओं का परिचय दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ का कोसा रेशम अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता, प्राकृतिक सौंदर्य और विशिष्ट बुनाई शैली के लिए प्रसिद्ध है। वहीं जनजातीय जीवनशैली से प्रेरित कलाकृतियां प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता, लोकविश्वास, परंपराओं और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव को अभिव्यक्त कर रही हैं।

डॉ. कन्नौजे ने कहा कि भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला जैसे प्रतिष्ठित आयोजन छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से प्रदेश के पारंपरिक शिल्प, हस्तनिर्मित उत्पादों और जनजातीय कलाओं को व्यापक पहचान मिलने के साथ ही स्थानीय कलाकारों एवं शिल्पकारों के लिए नए अवसरों की संभावनाएं भी बढ़ती हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत केवल हमारी ऐतिहासिक पहचान ही नहीं, बल्कि लोकजीवन, परंपराओं और सामुदायिक मूल्यों की जीवंत अभिव्यक्ति भी है। प्रदेश के विभिन्न अंचलों में प्रचलित लोककलाएं, पारंपरिक वस्त्र, शिल्पकला और जनजातीय परंपराएं हमारी सांस्कृतिक विविधता को समृद्ध बनाती हैं। इन परंपराओं को नई पीढ़ी से जोड़ना तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिष्ठित करना अत्यंत आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ अपनी विशिष्ट जनजातीय संस्कृति, बेलमेटल शिल्प, ढोकरा कला, लौह शिल्प, काष्ठ शिल्प, बांस शिल्प तथा कोसा वस्त्रों के लिए विशेष पहचान रखता है। प्रदेश की पारंपरिक कलाओं में स्थानीय समुदायों की जीवनशैली, प्रकृति के प्रति आस्था और पीढ़ियों से चली आ रही कलात्मक परंपराओं की झलक दिखाई देती है। इन कलाओं का संरक्षण सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ-साथ पारंपरिक शिल्प से जुड़े समुदायों की आजीविका और आर्थिक सशक्तीकरण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पवेलियन के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि, पारंपरिक शिल्प कौशल और जनजातीय अस्मिता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है। यह आयोजन छत्तीसगढ़ की गौरवशाली विरासत को व्यापक मंच प्रदान करने के साथ ही प्रदेश की कला, संस्कृति और शिल्प परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है।

खास खबर

मेधावी विद्यार्थियों को मिला सफलता का मंत्र, वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया प्रेरित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-रायगढ़



विकासखंड पुसौर के लगभग 100 मेधावी विद्यार्थियों के लिए प्रदेश के वित्त मंत्री ओपीचौधरी से मुलाकात प्रेरणादायी और यादगार अनुभव बन गई। शैक्षिक भ्रमण पर रायपुर पहुंचे विद्यार्थियों ने वित्त मंत्री श्री चौधरी के निज निवास पर उनसे आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान श्री चौधरी ने विद्यार्थियों से खुलकर संवाद किया और शिक्षा, करियर चयन, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा जीवन में सफलता के विभिन्न पहलुओं पर उनका मार्गदर्शन किया।

संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा के अवसरों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर चयन और लक्ष्य निर्धारण से जुड़े कई सवाल पूछे। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने उनकी जिज्ञासाओं का सहजता से समाधान करते हुए कहा कि जीवन में बड़े सपने देखना जरूरी है, लेकिन उन्हें साकार करने के लिए स्पष्ट लक्ष्य, नियमित अध्ययन, अनुशासन और निरंतर मेहनत भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और समय का सदुपयोग करने की सीख दी। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताते हुए कहा कि शिक्षा जीवन में आगे बढ़ने और बेहतर भविष्य बनाने का मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि सफलता की राह में आने वाली असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उनसे सीख लेकर नए उत्साह के साथ आगे बढ़ना चाहिए। आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने अपने अनुभव भी विद्यार्थियों के साथ साझा किए और उन्हें अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

वित्त मंत्री श्री चौधरी का सहज और आत्मीय संवाद विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से प्रेरणादायक रहा। उन्होंने न केवल विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया, बल्कि उनके साथ आत्मीयता से समय भी बिताया। इस अवसर पर उन्होंने अपने निज निवास पर सभी विद्यार्थियों के लिए भोजन की व्यवस्था भी कराई। उनके इस स्नेहपूर्ण व्यवहार से विद्यार्थी काफी उत्साहित और अभिभूत नजर आए। पुसौर विकासखंड के मेधावी एवं जिला स्तरीय विज्ञान क्विज प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों के लिए यह मुलाकात केवल एक औपचारिक भेंट तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्हें जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और सफलता के लिए निरंतर प्रयास करने की नई प्रेरणा दे गई।

अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण से युवाओं को मिलेगा रोजगार का अवसर, स्नातक और डिप्लोमा उत्तीर्ण युवा ले सकेंगे प्रशिक्षण का लाभ

रायगढ़। जिले के स्नातक एवं डिप्लोमा उत्तीर्ण युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण योजना संचालित की जा रही है। योजना के माध्यम से युवाओं को उद्योगों एवं विभिन्न प्रतिष्ठानों में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे उन्हें कार्यक्षेत्र का अनुभव प्राप्त होने के साथ अपनी शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप रोजगार के अवसर हासिल करने में मदद मिलेगी। योजना के तहत किसी भी संकाय से स्नातक एवं डिप्लोमा उत्तीर्ण ऐसे युवा पात्र होंगे, जिन्होंने पिछले पांच वर्षों के भीतर अपनी परीक्षा उत्तीर्ण की है। पात्र युवा ग्रेजुएट एवं टेक्नीशियन अप्रेंटिस के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस

उप मुख्यमंत्री साव मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल, जनजातीय समाज के उत्थान, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण पर दिया जोर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-कांकेर

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में आज जिला मुख्यालय कांकेर में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। उप मुख्यमंत्री एवं कांकेर जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में इसमें शामिल हुए। सांसद भोजराज नाग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विधायक आशाराम नेताम और विक्रम देव उसेंडी तथा बस्तर संभाग गोंडवाना समाज के अध्यक्ष सुमेर सिंह नाग सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोग भी कार्यक्रम में मौजूद थे।



जनजातीय गौरव दिवस में शामिल होने कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आदिवासी समाज के आंगादेव का परंपरानुसार पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने भगवान बिरसा मुंडा के अदम्य साहस, त्याग, तपस्या और संघर्ष का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि झारखंड के एक गरीब परिवार में जन्मे भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व करते हुए जनजातीय समाज को एकजुट करने का कार्य किया। उन्होंने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों तथा आदिवासी समाज के हितों के लिए संघर्ष किया। उनके योगदान और बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ के वीर शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर एवं शहीद गैंदसिंह के योगदान का भी उल्लेख किया।

श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की, ताकि देश के जनजातीय नायकों के योगदान, संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं को राष्ट्रीय पहचान मिल सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय समाज के उत्थान और उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, सड़क, रोजगार एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पीएम जनमन योजना, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय तथा अन्य योजनाओं के माध्यम से विशेष रूप से जनजातीय समुदायों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर अब नक्सलवाद से मुक्त होकर विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा है। बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजनों के माध्यम से जनजातीय कला, संस्कृति और परंपराओं को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में जनजातीय समाज की महत्वपूर्ण भूमिका बताई। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में उदय नगर के बिरसा मुंडा चौक में भगवान बिरसा मुण्डा की आदमकद प्रतिमा के लिए 10 लाख रुपए तथा सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए 20 लाख रुपए की घोषणा की। उन्होंने जिले की प्रमुख विभूतियों एवं प्रतिभावान व्यक्तियों को सम्मानित भी किया।

जनजातीय गौरव दिवस की अध्यक्षता करते हुए सांसद भोजराज नाग ने कहा कि जनजातीय समाज ने देश की संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं को सहेजने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भगवान बिरसा मुंडा ने कम उम्र में ही समाज और देश के हित में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने समाज में शिक्षा के प्रसार और नशामुक्ति की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इन सामाजिक चुनौतियों को दूर करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने पीएम जनमन योजना, बस्तर पंडुम, बस्तर ओलंपिक सहित शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जनजातीय समाज के विकास के लिए जो राहे प्रयासों की जानकारी दी। साथ ही धान खरीदी के संबंध में शासन की मंशा से अवगत कराते हुए कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।



विधायक आशाराम नेताम ने अपने संबोधन में भगवान बिरसा मुंडा के समाज हित में किए गए कार्यों और उनके बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि हमारी पहचान हमारी संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक विरासत से है। हमें अपनी सांस्कृतिक पहचान को अपनाने और उसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार जनजातीय क्षेत्रों में सड़क, आवास सहित विभिन्न विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कर रही है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से जनजातीय बहुल क्षेत्रों में विकास और मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

विधायक विक्रम देव उसेंडी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष का मार्ग अपनाया और जनजातीय समाज के अधिकारों के लिए आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद की समाप्ति के बाद बस्तर क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं खुली हैं। राज्य सरकार जनजातीय समाज को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने तथा उनके सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग से शिक्षा, जागरूकता और एकजुटता के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। बस्तर संभाग गोंडवाना समाज के अध्यक्ष सुमेर सिंह नाग एवं महेश जैन ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया तथा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और जनजातीय समाज के लिए उनके योगदान को याद किया। उन्होंने समाज की एकजुटता, सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं के संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया।

कलेक्टर कुंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा, जिला पंचायत के सीईओ हरेश मण्डावी, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती किरण नरेटी एवं उपाध्यक्ष श्रीमती तारा ठाकुर, नगर पालिका अध्यक्ष अरूण कौशिक, उपाध्यक्ष उत्तम यादव और सतीश लाटिया सहित जनप्रतिनिधि, जनजातीय समाज के प्रतिनिधि, जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोग कार्यक्रम में उपस्थित थे।

समाज के योगदान की सराहना

व्यापार, शिक्षा, उद्योग और सामाजिक क्षेत्रों में तेलुगु समाज ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम और उद्यमशीलता से बनाई विशिष्ट पहचान

छत्तीसगढ़ के विकास में तेलुगु समाज का महत्वपूर्ण योगदान : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के देवेन्द्र नगर स्थित श्री बालाजी विद्या मंदिर में आयोजित 11वें ऑल इंडिया तेलुगु कॉन्फ्रेंस-2026 में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने तेलुगु समाज के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास और समृद्धि में तेलुगु समाज की महत्वपूर्ण भागीदारी रही है। समाज के लोगों ने व्यापार, शिक्षा, उद्योग और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा, परिश्रम तथा उद्यमशीलता से विशिष्ट पहचान बनाई है। छत्तीसगढ़ की प्रगति में तेलुगु समाज का योगदान सराहनीय है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ और तेलुगु समाज के बीच दशकों पुराना आत्मीय संबंध है। तेलुगु समाज ने अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को सहेजते हुए छत्तीसगढ़ को भी अपनी कर्मभूमि बनाया है। प्रदेश के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन में समाज की सक्रिय भागीदारी हमारी विविधता में एकता की भावना को और मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी विशेषता उसकी सांस्कृतिक विविधता है और विभिन्न भाषाओं एवं परंपराओं का यही सुंदर संगम हमारी राष्ट्रीय एकता की शक्ति है।





मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में आंध्रा एसोसिएशन की 50 वर्षों की गौरवशाली यात्रा की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि पांच दशकों का यह सफर केवल एक संगठन की उपलब्धियों का इतिहास नहीं, बल्कि सामाजिक एकजुटता, सांस्कृतिक संरक्षण और सेवा भावना का प्रेरणादायी उदाहरण है। आंध्रा एसोसिएशन ने समाज को एक सूत्र में जोड़ने के साथ नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि तेलुगु समाज के लोग अपनी मेहनत, अनुशासन और उद्यमशीलता के लिए जाने जाते हैं। छत्तीसगढ़ में व्यापार और शिक्षा के क्षेत्र में समाज की उल्लेखनीय उपस्थिति है। भिलाई स्टील प्लांट जैसे प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थान में भी तेलुगु समाज से जुड़े इंजीनियरों, प्रबंधकों और तकनीकी विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। समाज की इस कर्मठता और सक्रिय भागीदारी से प्रदेश के औद्योगिक विकास को निरंतर मजबूती मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश के बीच बेहतर सड़क संपर्क दोनों राज्यों के विकास की नई संभावनाओं को साकार करेगा। भारतमाला परियोजना के अंतर्गत रायपुर से विशाखापत्तनम तक विकसित किए जा रहे सड़क मार्ग से आवागमन अधिक सुगम होगा। यात्रा के समय और दूरी में कमी आने के साथ माल परिवहन, व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे दोनों राज्यों के बीच आर्थिक संबंध और अधिक सुदृढ़ होंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अपनी मातृभाषा, संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण करना प्रत्येक समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ऐसे राष्ट्रीय सम्मेलन विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले समाज के लोगों को एक-दूसरे से जुड़ने, अनुभव साझा करने और अपनी सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए आंध्रा एसोसिएशन के पदाधिकारियों और समाज के सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

सम्मेलन में आंध्र प्रदेश के बैरमपुर से आए रिंग डांस समूह, श्री बालाजी विद्या मंदिर के विद्यार्थियों तथा अन्य कलाकारों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। पारंपरिक नृत्य, संगीत और रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से तेलुगु समाज की समृद्ध लोककला, सांस्कृतिक विविधता और गौरवशाली परंपराओं की मनमोहक झलक देखने को मिली।

इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी, रायपुर आंध्रा एसोसिएशन के अध्यक्ष जी. स्वामी, आर. सुब्बा राव, श्रीनिवास पटनायक सहित आंध्रा एसोसिएशन के पदाधिकारी, समाज के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित थे।

संपादकीय

अश्लीलता की लीला

सोशल मीडिया न बने विद्रूपता का चेहरा

इसमें दो राय नहीं कि सोशल मीडिया समाज में सहज-सरल संवाद व मुखर अभिव्यक्ति का माध्यम बना है। लेकिन इसमें संपादक नामक संस्था न होने के कारण यह माध्यम धीरे-धीरे अराजक सामग्री, हिंसक अभिव्यक्ति और अश्लीलता का प्रसारक व पोषक बनता जा रहा है। दरअसल, इन कंपनियों का प्रारूप कुछ इस तरह बनाया गया है कि सामाजिक मर्यादाओं का अतिक्रमण करने वाली और बच्चों के मन-मस्तिष्क पर बुरा असर डालने वाली सामग्री दर्शकों का ध्यान ज्यादा खींचती है। कुछ समय पहले सोशल मीडिया माध्यमों पर बच्चों के यौन-शोषण से जुड़ी सामग्री के विज्ञापनों के प्रसारण को लेकर सरकार ने सख्त रवैया अपनाया था। बाकायदा मेटा को इस बाबत नोटिस भी दिया गया था। तब भी इन कंपनियों की जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगे थे।

विडंबना ही है कि हिंसक, अश्लील व सनसनी फैलाने वाली सामग्री को दर्शकों की ज्यादा प्रतिक्रिया मिलती है, जो इन कंपनियों के अर्थशास्त्र का आधार भी है। विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का एल्गोरिद्म उपयोगकर्ताओं की अभिरुचि और प्रतिक्रिया के चलते ऐसी सामग्री का अधिक प्रसार करने लगता है। अब सरकार की प्रतिक्रिया व कुछ प्रबुद्ध लोगों के प्रतिरोध के बाद इंस्टाग्राम ने अपने कंटेंट रिकमेंडेशन सिस्टम में बदलाव लाने की बात कही है।

इसके अंतर्गत दावा किया जा रहा है कि एआई की मदद से अश्लील व हिंसक सामग्री की संस्तुति को उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने से पहले ही हटाने का प्रयास किया जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसी सामग्री को बढ़ावा देने में कंपनी की कोई भूमिका होती है? यदि नहीं, तो इसे कौन बढ़ावा देता है? सवाल यह भी है कि प्लेटफॉर्म पर सामग्री की निगरानी करने वाला एल्गोरिद्म भारतीय परिवेश में वर्जित सामग्री को लेकर अपेक्षित संवेदनशीलता दिखा पाएगा? बहुत संभव है कि सोशल मीडिया पर सूचनाओं व कार्यक्रमों का स्वरूप निर्धारित करने में पश्चिमी समाज का दृष्टिकोण प्रभावी होता हो। तो क्या एआई आधारित निगरानी व्यवस्था समस्या का संपूर्ण समाधान दे पाएगी?

वास्तव में इस बात की संभावना कम ही नजर आती है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित फिल्टरिंग व्यवस्था सोशल मीडिया पर अश्लील व आपत्तिजनक सामग्री पर पूरी तरह नियंत्रण लगा सकेगी। मशीन मानवीय अहसासों को पूरी तरह नहीं समझ सकती। इसलिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ मानवीय निगरानी और शिकायतों के शीघ्र निस्तारण का तंत्र भी बने। अब तो जो पश्चिमी देश कल तक सोशल मीडिया का गुणगान करते नहीं अघाते थे, वे भी इससे बच्चों में पनपती विकृतियों की हकीकत समझने लगे हैं। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, स्कॉटलैंड आदि देशों ने एक निर्धारित उम्र के किशोरों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगाई है।

न्यू मेक्सिको में एक जूरी ने मेटा को इस बात के लिए जवाबदेह ठहराया कि उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वयस्क सामग्री तक बच्चों की पहुंच बनी हुई है, जिससे उनके जीवन में यौन अपराधियों से खतरा बढ़ गया है। लेकिन भारत जैसे देशों में सोशल मीडिया के बच्चों के जीवन पर घातक प्रभावों के बावजूद नियामक कानून न होने से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाती है। मांग की जा रही है कि एक निर्धारित आयु से अधिक उम्र के बच्चे ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक पहुंच बना सकें। विडंबना यह भी है कि बच्चों को संस्कार अब माता-पिता व शिक्षक नहीं, बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का दोहन करने वाले स्वार्थी तत्व दे रहे हैं, जो भारतीय जीवन-मूल्यों व संस्कारों से मेल नहीं खाते। आज सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर इतनी अश्लील व द्विअर्थी सामग्री का प्रवाह है कि हमारे किशोर आपराधिक प्रवृत्तियों की ओर उन्मुख हो रहे हैं।

सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभावों के चलते आज बच्चों के नायक व आदर्श बदल गए हैं। उनका नजरिया बदल रहा है। अश्लील सामग्री की उपलब्धता ने ब्रह्मचर्य के भारतीय दर्शन को ताक पर रख दिया है। इसका प्रभाव बच्चों के शैक्षिक प्रदर्शन व एकाग्रता पर भी पड़ेगा। दुखद है कि बच्चे इंटरनेट पर उपलब्ध अश्लील सामग्री से अपरिपक्व उम्र में रूबरू हो रहे हैं। फलतः अल्पवयस्कों में यौन अपराधों की वृद्धि घातक स्तर तक पहुंच रही है। इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण के लिए घर और स्कूल में बच्चों को सोशल मीडिया के स्याह पहलुओं से अवगत कराना जरूरी है।

हिंसा, शोषण और अभाव से मुक्त हो भारत का बचपन

ललित गर्ग

हम में से प्रत्येक को बच्चों के अधिकारों की वकालत करने, उन्हें बढ़ावा देने, उनके शोषण को रोकने, उनका समग्र विकास करने और बच्चों का उत्सव मनाने के लिए एक प्रेरणादायी अवसर के रूप में विश्व बाल दिवस है, यह उस समाज की आत्मपरीक्षा का अवसर है, जो अपने भविष्य को बच्चों की आंखों में देखता है। 20 नवंबर को मनाया जाने वाला यह दिवस हमें याद दिलाता है कि बच्चे केवल परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। वर्ष 2026 की थीम मेरा दिन, मेरे अधिकार, मेरा भविष्य है। इसी बुनियादी प्रश्न को सामने रखती है कि क्या हमारे बच्चों को वास्तव में अपने अधिकारों के साथ जीने, सपने देखने और अपना भविष्य गढ़ने का अवसर मिल रहा है? भारत में बचपन की तस्वीर विरोधाभासों से भरी है। एक ओर महानगरों के वातानुकूलित कमरों में पलते बच्चे आधुनिक शिक्षा, तकनीक और सुविधाओं से घिरे हैं, तो दूसरी ओर फुटपाथ, झुग्गियों, कारखानों, ढाबों और खेतों में ऐसे बच्चे भी हैं जिनके हाथों में किताब की जगह औजार हैं। किसी बच्चे के लिए बचपन खेल, शिक्षा और परिवार का स्नेह है, तो किसी के लिए भूख, श्रम, हिंसा और असुरक्षा से जूझने का नाम। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना की भी परीक्षा है।



सबसे गंभीर चुनौती बाल हिंसा और मानसिक दबाव की है। हिंसा का अर्थ केवल बच्चे को पीटना नहीं है। लगातार डांटना, अपमानित करना, डराना, उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करना, उसकी इच्छा और प्रतिभा को नकारना तथा हर समय परिणाम का दबाव बनाना भी हिंसा के ही रूप हैं। आज अनेक अभिभावक चाहते हैं कि उनका बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या किसी प्रतिष्ठित पेशे में जाए। महत्वाकांक्षा गलत नहीं, लेकिन जब माता-पिता की अधूरी इच्छाओं का बोझ बच्चे के कंधों पर रख दिया जाता है, तब शिक्षा बालक का माध्यम न रहकर तनाव का कारण बन जाती है। स्कूल भी इससे अछूते नहीं हैं। अनुशासन के नाम पर अपमान, डर और कठोरता बच्चे के व्यक्तित्व को भीतर से तोड़ सकती है। जिस विद्यालय में बच्चे को प्रश्न पूछने, गलती करने और फिर सीखने का अवसर मिलना चाहिए, वहां भय का वातावरण उसकी रचनात्मकता को कुंठित कर देता है। हमें यह समझना होगा कि डर से आज्ञाकारी बच्चा तो बनाया जा सकता है, लेकिन आत्मविश्वासी नागरिक नहीं।

भारत में बाल मजदूरी, बाल तस्करी, यौन शोषण और भिक्षावृत्ति जैसी समस्याएं आज भी हमारी सामूहिक चेतना एवं राजनीतिक नेतृत्व पर प्रश्नचिह्न हैं। आर्थिक मजबूरी के कारण अनेक बच्चे शिक्षा से दूर होकर श्रम की दुनिया में पहुंच जाते हैं। कुछ खतरनाक उद्योगों और असुरक्षित कार्यस्थलों पर काम करने के लिए विवश होते हैं। कई बच्चे तस्करी के जाल में फंसकर अपने परिवार और बचपन दोनों से दूर हो जाते हैं। सबसे पीड़ादायक स्थिति उन बच्चों की है जिन्हें अपराध, भीख या यौन शोषण के अंधेरे में धकेल दिया जाता है। इन परिस्थितियों में उनसे केवल उनका वर्तमान नहीं छीना जाता, बल्कि भविष्य की संभावनाएं भी छीन ली जाती हैं। गरीबी बचपन की सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन गरीबी से भी बड़ी समस्या है अवसरों की असमानता। यदि किसी गरीब परिवार का बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षित वातावरण से वंचित रहता है तो वह अपनी प्रतिभा का पूरा उपयोग कैसे करेगा? विकसित भारत का सपना तभी वास्तविक होगा जब विकास की रोशनी गांव, झुग्गी, श्रमिक परिवार और वंचित समुदाय के बच्चे तक पहुंचेगी। किसी राष्ट्र की प्रगति का सही पैमाना उसके सबसे कमजोर बच्चे की स्थिति है।

इसलिए बाल अधिकारों को केवल कानून की पुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय घर, स्कूल और समाज की संस्कृति का हिस्सा बनाना होगा। बच्चे को यह विश्वास होना चाहिए कि वह अपनी समस्या बिना भय के माता-पिता, शिक्षक अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति से कह सकता है। परिवार में संवाद की परंपरा विकसित करनी होगी। माता-पिता को बच्चों के साथ केवल उनकी पढ़ाई और परीक्षा की बात नहीं करनी चाहिए, बल्कि उनके डर, मित्रता, सपनों, असफलताओं और भावनाओं को भी सुनना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में भी बड़ा परिवर्तन आवश्यक है। शिक्षा का लक्ष्य केवल अंक और रोजगार नहीं, बल्कि संवेदनशील, आत्मनिर्भर, नैतिक और मानसिक रूप से स्वस्थ मनुष्य बनाना होना चाहिए। बच्चों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों, संविधान, नैतिक सम्मान, डिजिटल सुरक्षा, आत्मरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया जाना चाहिए। सरकार को बाल संरक्षण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ बाल श्रम, तस्करी और यौन अपराधों के विरुद्ध तंत्र को और मजबूत करना होगा। गरीब बच्चों की शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य को आर्थिक सहायता से जोड़ना भी जरूरी है। हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि बच्चों की सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। पड़ोस में किसी बच्चे से दुर्व्यवहार हो रहा हो, किसी दुकान या कारखाने में बाल मजदूर दिखाई दे, कोई बच्चा लगातार भय में जी रहा हो या उसके साथ शोषण की आशंका हो, तो हमें क्या लेना-देना है कहकर आगे बढ़ जाना सामाजिक अपराध के प्रति मौन स्वीकृति है। बच्चे की रक्षा के लिए समाज को संवेदनशील प्रहरी बनना होगा।

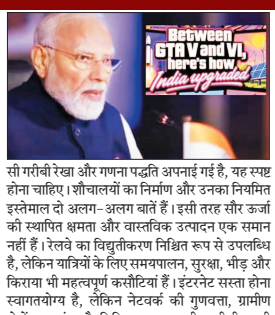
विश्व बाल दिवस के अवसर पर बच्चों के सामने उभरती नई चुनौतियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भी एक गंभीर विषय बनकर सामने आई है। एआई शिक्षा, रचनात्मकता और ज्ञान-विस्तार का प्रभावी साधन हो सकता है, लेकिन उसका अनियंत्रित और अत्यधिक उपयोग बच्चों की सोचने-समझने की मौलिक क्षमता, कल्पनाशक्ति, एकाग्रता और निर्णय लेने की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता है। चैटबॉट पर अत्यधिक निर्भरता बच्चों को स्वयं प्रश्न पूछने, उत्तर खोजने और गलतियों से सीखने की प्रक्रिया से दूर कर सकती है। साथ ही, एआई से बने भ्रामक या अनुपयुक्त कंटेंट, डीपफेक, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन शोषण, निजता के खतरे और बच्चों के मानसिक संसार पर बढ़ते डिजिटल दबाव जैसी चुनौतियां भी चिंता का विषय हैं। इसलिए आज आवश्यकता केवल बच्चों को एआई से परिचित कराने की नहीं, बल्कि उन्हें एआई के सुरक्षित, संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग की शिक्षा देने की है, ताकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों की बुद्धि का विकल्प नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा और रचनात्मकता को विकसित करने का सहायक माध्यम बने।

विश्व बाल दिवस का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा जब भारत में ऐसा वातावरण बने जहां हर बच्चा सुरक्षित हो, सुना जाए, सम्मान पाए, पढ़ सके, खेल सके, अपनी प्रतिभा विकसित कर सके और बिना भय के सपने देख सके। हमें बच्चों को अपने सपनों के अनुसार जीने का अवसर देना होगा, अपने सपनों के अनुसार ढालने का नहीं। बचपन किसी राष्ट्र की प्रतीक्षा करती हुई सुबह है। यदि उस सुबह पर हिंसा, शोषण, भूख और भय के बादल छा गए तो विकसित भारत का सूर्योदय अधूरा रहेगा। इसलिए आज जरूरत केवल बाल दिवस मनाने की नहीं, बल्कि बचपन को बचाने की है। जिस दिन भारत के हर बच्चे की आंखों में भय की जगह विश्वास, हाथों में श्रम की जगह किताब और होंठों पर शिकायत की जगह मुस्कान होगी, उसी दिन हम कह सकेंगे कि हमने विश्व बाल दिवस की भावना को वास्तव में आत्मसात किया है।

जीटीए-6 की चर्चा के बीच रोजगार के सवालों से कब तक दूरी?

अजय कुमार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर को वीडियो गेम ग्रैंड थेफ्ट ऑटो यानी जीटीए-6 के संदर्भ में भारत की विकास यात्रा पेश की। दस स्लाइडों के जरिए उन्होंने 2013 और 2026 के बीच अर्थव्यवस्था, गरीबी, स्वच्छता, सौर ऊर्जा, रेलवे, इंटरनेट, अंतरिक्ष और रक्षा निर्यात की तुलना की। जीटीए-5 से जीटीए-6 तक दुनिया बदल गई है और भारत भी विकास के नए स्तर पर पहुंचा है। युवाओं की डिजिटल संरक्षित से संवाद की यह कोशिश है, लेकिन सवाल यह है कि क्या विकास की यह तस्वीर युवाओं की वास्तविक जिंदगी से मेल खाती है? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि युवाओं तक पहुंचने की कोशिश में प्रधानमंत्री ने जीटीए-5 और जीटीए-6 की तस्वीरों का सहारा लिया। उन्होंने खेल की आपराधिक जोड़ी का जिक्र करते हुए कटाक्ष भी किया। हालांकि, इस बहस को मीम और व्यंग्य तक सीमित रखना उचित नहीं है। इससे असली सवाल पीछे छूट जाता है कि युवाओं को रोजगार, शिक्षा और सुरक्षित भविष्य की कितनी ठोस गारंटी मिल रही है?



प्रधानमंत्री की स्लाइडों में चरम गरीबी का अनुपात 2013 के 27 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत, स्वच्छता कवरेज 39 से बढ़कर 100 प्रतिशत, सौर ऊर्जा क्षमता 2.82 से बढ़कर 175 गीगावाट और रेलवे विद्युतीकरण 20 से बढ़कर 99.6 प्रतिशत होने के दावे किए गए हैं। एक जीबी इंटरनेट की कीमत 308 रुपये से घटकर 7.51 रुपये बताई गई है। अंतरिक्ष क्षेत्र में शून्य से 440 स्टार्टअप तक पहुंचने, रक्षा उत्पादों का 80 से अधिक देशों में निर्यात होने और नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 182 से घटकर शून्य होने की बात भी कही गई। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र जांच जरूरी है। गरीबी के आंकड़ों में कौन-सी गरीबी रेखा और गणना पद्धति अपनाई गई है, यह स्पष्ट होना चाहिए। सौचालयों का निर्माण और उनका नियमित इस्तेमाल दो अलग-अलग बातें हैं। इसी तरह सौर ऊर्जा की स्थापित क्षमता और वास्तविक उत्पादन एक समान नहीं हैं। रेलवे का विद्युतीकरण निश्चित रूप से उपलब्धि है, लेकिन यात्रियों के लिए समयपालन, सुरक्षा, भीड़ और किराया भी महत्वपूर्ण कसौटियां हैं। इंटरनेट सस्ता होना स्वागतयोग्य है, लेकिन नेटवर्क की गुणवत्ता, ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच और डिजिटल साक्षरता भी उतनी ही जरूरी हैं। स्पष्ट संदर्भ के बिना आंकड़ों को विकास की पूरी तस्वीर नहीं माना जा सकता।

युवाओं के सवाल पर सरकारी आंकड़े भी गंभीर चर्चा की मांग करते हैं। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण 2025 के अनुसार, 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी दर 2024 के 10.3 प्रतिशत से घटकर 2025 में 9.9 प्रतिशत हुई। ग्रामीण युवाओं में यह दर 8.7 से घटकर 8.3 प्रतिशत और शहरी युवाओं में 14.3 से घटकर 13.6 प्रतिशत रही। यानी शहरों में हर सात में से लगभग एक युवा बेरोजगारी का सामना कर रहा है। इसके अलावा रोजगार की गुणवत्ता, वेतन, नौकरी की स्थिरता और सामाजिक सुरक्षा जैसे सवालों पर भी जवाब जरूरी है। स्टार्टअप की उपलब्धियों को भी इसी कसौटी पर परखना होगा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मार्च 2026 तक देश में 2.23 लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप थे और उनसे 23.36 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए। लेकिन सवाल यह है कि इनमें से कितने स्टार्टअप पांच साल बाद भी सक्रिय हैं, कितनों को आगे निवेश मिला और कितनी नौकरियां स्थायी तथा बेहतर वेतन वाली हैं? स्टार्टअप की संख्या नए अवसरों का संकेत जरूर देती है, लेकिन यह रोजगार की गुणवत्ता का पूरा प्रमाण नहीं है। नियमित वेतनभोगी रोजगार का हिस्सा 2024 के 22.4 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 23.6 प्रतिशत हुआ। यह सुधार है, मगर नियमित नौकरियों का हिस्सा अभी भी सीमित है। इसलिए रोजगार की संख्या के साथ उसकी स्थिरता और गुणवत्ता पर भी जोर देना जरूरी है।

गेमिंग उद्योग का विस्तार भी इस बहस को नई दिशा देता है। 29 अक्टूबर को जारी इंडिया गेमिंग रिपोर्ट 2026 के मुताबिक, देश में 53.5 करोड़ प्योर-प्ले गेमर्स हैं और बाजार का अनुमानित आकार 14,344 करोड़ रुपये है। इनमें 33.2 करोड़ ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने पिछले तीन महीनों में गेम खेले, जबकि 10.9 करोड़ भुगतान करने वाले खिलाड़ी हैं। बाजार में 8,705 करोड़ रुपये विज्ञापन, 5,239 करोड़ रुपये उपभोक्ता भुगतान और 401 करोड़ रुपये ई-स्पोर्ट्स तथा अन्य स्रोतों से राजस्व आने का अनुमान है। लेकिन गेम खेलने वाला होना और गेम बनाने वाली अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनना दो अलग-अलग बातें हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय गेमिंग उद्योग के सामने मौलिक गेम विकसित करने, मजबूत स्टूडियो खड़े करने और वैश्विक स्तर पर सफलता हासिल करने की चुनौती है। भारत में बने गेम्स का अनुभव रखने वाले सर्वेक्षण प्रतिभागियों में 70 प्रतिशत ने उनकी गुणवत्ता को अच्छी या बहुत अच्छी बताया। इसके बावजूद मौलिक बौद्धिक संपदा को बड़े पैमाने पर विकसित करना अभी बाकी है। युवाओं को केवल गेम खेलने वाला उपभोक्ता नहीं, बल्कि डिजाइनर, कोडर, कलाकार और उद्यमी बनाने के लिए प्रशिक्षण, निवेश और बाजार तक पहुंच उपलब्ध करानी होगी। छोटे शहरों में गेमिंग स्टूडियो स्थापित करने और उन्हें पूंजी उपलब्ध कराने की जरूरत भी है।

लोकप्रिय गेम का संदर्भ प्रधानमंत्री पहले भी चुन चुके हैं। 2019 में परीक्षा पे चर्चा के दौरान उन्होंने पबजी का जिक्र किया था। लोकप्रिय संस्कृति के माध्यम से संवाद सरकार को नई पीढ़ी के करीब ला सकता है, लेकिन यह संवाद केवल आकर्षक तस्वीरों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। विकास की उपलब्धियां गिनाने के साथ बेरोजगारी, भर्ती में देरी, पेपर लीक, महंगी शिक्षा और कम वेतन जैसे मुद्दों पर भी बात होनी चाहिए। युवाओं को संबोधित करना और उनके सवालों का जवाब देना दो अलग-अलग बातें हैं। विपक्ष की भी अपनी जिम्मेदारी है। जयराम रमेश का कटाक्ष एक राजनीतिक प्रतिक्रिया है, लेकिन कांग्रेस को रोजगार, शिक्षा, कौशल विकास और गेमिंग उद्योग को लेकर अपना ठोस खाका भी पेश करना चाहिए। केवल प्रधानमंत्री की तस्वीरों पर टिप्पणी करने से बेरोजगार युवाओं की समस्या हल नहीं होगी। सरकार को भी आलोचनाओं का जवाब मीम से नहीं, बल्कि पारदर्शी आंकड़ों, समयबद्ध भर्ती और रोजगार के वास्तविक अवसरों से देना चाहिए। 2013 और 2026 की तुलना तभी विश्वसनीय मानी जाएगी, जब दोनों वर्षों के आंकड़ों की समान परिभाषाओं और मापदंडों के आधार पर जांच की जाए। खेल में मिशन पूरा होने पर अगला स्तर खुल जाता है, लेकिन जिंदगी में रोजगार, शिक्षा और सम्मानजनक आय किसी क्लिक से हासिल नहीं होती। असली चुनौती खिलाड़ियों की बड़ी संख्या को भारतीय गेम, मजबूत कंपनियों और टिकाऊ नौकरियों में बदलने की है। प्रधानमंत्री युवाओं की भाषा में बात करें, यह अच्छी बात है, लेकिन युवा केवल दर्शक नहीं, बल्कि जवाब मांगने वाले नागरिक भी हैं। सोशल मीडिया पर विकास का नया स्तर दिखाने से ज्यादा जरूरी है कि विकास युवाओं के जीवन में नए अवसर और बेहतर भविष्य का रास्ता खोले।

आसियान मंच: भारत का दबदबा, मोदी की कूटनीतिक गूंज

ललित गर्ग

किसी देश का वैश्विक प्रभाव केवल उसकी आर्थिक शक्ति, सैन्य क्षमता या जनसंख्या से तय नहीं होता, बल्कि इस बात से भी तय होता है कि विश्व की महत्वपूर्ण शक्तियाँ उसकी बात को कितनी गंभीरता से सुनती हैं। आज भारत इसी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। दक्षिण-पूर्व एशिया के 11 देशों के संगठन आसियान का भारत सदस्य नहीं है, फिर भी उसके सर्वोच्च सम्मेलनों में भारत की उपस्थिति जिस सम्मान और अपेक्षा के साथ होती है, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का महत्वपूर्ण संकेत है। हाल ही में फिलीपींस की राजधानी मनीला में हुए 23वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रिय भागीदारी ने इस बदलती तस्वीर को और स्पष्ट किया है। यह दृश्य अपने आप में महत्वपूर्ण है कि भारत आसियान का सदस्य नहीं है, लेकिन आसियान की भविष्य-चर्चा में भारत को अलग रखकर क्षेत्रीय समीकरणों की कल्पना करना कठिन होता जा रहा है। यही भारत की कूटनीतिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। 1991 की ह्यलुक ईस्टह्व नीति से शुरू हुई यात्रा 2014 में ह्याएक्ट ईस्टह्व नीति और अब व्यापक हिंद-प्रशांत दृष्टि तक पहुंची है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं आसियान को भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण के केंद्र में बताया है।



आसियान केवल भौगोलिक समूह नहीं है। यह आर्थिक शक्ति, समुद्री मार्गों, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और हिंद-प्रशांत की रणनीतिक राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र है। इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम, फिलीपींस, ब्रुनेई, कंबोडिया, लाओस, म्यांमार और तिमोर-लेस्ते जैसे देश भारत के लिए व्यापार, निवेश, समुद्री सुरक्षा, तकनीक और सांस्कृतिक संपर्क की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। मनीला में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत और आसियान को प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग को आधार बनाकर शांति, स्थिरता और विकास का वातावरण तैयार करना चाहिए। उन्होंने मुक्त, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई और आसियान की एकता तथा केंद्रीयता को भारत के लिए महत्वपूर्ण बताया। यह केवल कूटनीतिक भाषा नहीं है। इसके पीछे भारत की दीर्घकालीन रणनीति है-ऐसा हिंद-प्रशांत जिसमें किसी एक शक्ति का वर्चस्व न हो, छोटे देशों को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति चलाने की जगह मिले और समुद्री मार्ग खुले रहें।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति का एक विशिष्ट पक्ष यह है कि उन्होंने भारत को केवल ह्यबड़ा बाजारह्व या ह्यटभरती अर्थव्यवस्थाह्व के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय एक विश्वसनीय रणनीतिक साझेदार के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है। मनीला में इसका प्रमाण अनेक द्विपक्षीय मुलाकातों में दिखाई दिया। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के साथ मोदी ने रक्षा, अंतरिक्ष, रेल, वित्तीय तकनीक तथा व्यापार और निवेश में सहयोग की प्रगति पर चर्चा की। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ डिजिटल क्षेत्र, कौशल, संपर्क, स्वास्थ्य, रक्षा-सुरक्षा और आर्थिक सहयोग की समीक्षा हुई। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नवीराकुल के साथ व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, संपर्क, डिजिटल तकनीक और सांस्कृतिक संबंधों को आगे बढ़ाने पर विचार हुआ। मोदी की विदेश नीति का संदेश साफ है-भारत संबंधों का केवल दर्शक नहीं, बल्कि संबंधों की नई संरचना का सक्रिय निर्माता बनना चाहता है।

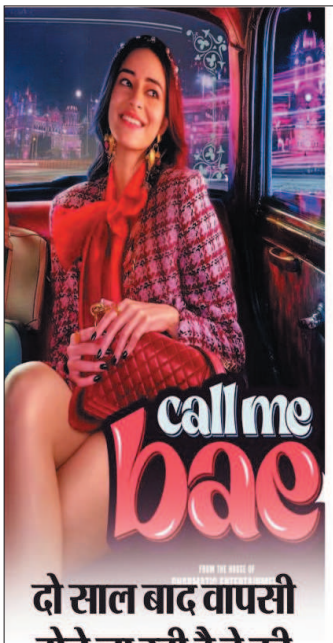
इस पूरी यात्रा में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री की राजनीतिक दृष्टि को वैश्विक कूटनीतिक संवाद में ठोस स्वरूप देने में जयशंकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे केवल विदेश मंत्रालय के प्रशासक नहीं, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था को समझने वाले रणनीतिक चिंतक के रूप में भारत की विदेश नीति का प्रभावी चेहरा बने हैं। भारत की विदेश नीति में आज एक साथ अमेरिका, रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया, जापान, ऑस्ट्रेलिया और आसियान देशों के साथ संबंधों को संतुलित रखने की क्षमता दिखाई देती है। यह संतुलन किसी एक खेमे में जाने के बजाय भारत के राष्ट्रीय हितों के आधार पर संबंधों को आकार देने की नीति को दर्शाती है। जयशंकर की कूटनीति का मूल संदेश भी यही रहा है कि भारत किसी शक्ति के दबाव में नहीं, बल्कि अपने हितों और अपनी सभ्यतागत दृष्टि के आधार पर विश्व से संबंध बनाएगा। प्रधानमंत्री की राजनीतिक सक्रियता और विदेश मंत्री की रणनीतिक कूटनीति का यह संयोजन भारत की विदेश नीति को अधिक प्रभावशाली बना रहा है।

मनीला सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति ने भी इस यात्रा को विशेष महत्व दिया। 17 नवंबर को मनीला में पहली बार क्वाड नेताओं का शिखर-स्तरीय संवाद हुआ, जिसमें मोदी, ट्रंप, जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची साने और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज शामिल हुए। इस घटनाक्रम का संदेश बहुत व्यापक है। भारत एक ओर आसियान के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है, दूसरी ओर अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड के माध्यम से हिंद-प्रशांत की रणनीतिक संरचना को भी मजबूत कर रहा है। इसका अर्थ किसी देश के विरुद्ध मोर्चेबंदी नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, आपूर्ति श्रृंखलाओं, महत्वपूर्ण खनिजों, समुद्री सुरक्षा और तकनीकी सहयोग में साझेदारी को बढ़ाना है। यहां मोदी की विदेश नीति का एक नया आयाम दिखाई देता है-भारत अब शक्ति-संतुलन का निष्क्रिय हिस्सा नहीं, बल्कि शक्ति-संतुलन को प्रभावित करने वाला केंद्र बनना चाहता है।

आसियान देशों के लिए चीन एक बड़ा आर्थिक साझेदार है, लेकिन उसके साथ समुद्री और रणनीतिक विवाद भी हैं। दक्षिण चीन सागर में तनाव, आर्थिक निर्भरता और क्षेत्रीय प्रभाव की प्रतिस्पर्धा के बीच आसियान देश किसी एक शक्ति पर अत्यधिक निर्भर नहीं रहना चाहते। यही भारत के लिए बड़ा अवसर है। भारत को चीन का विकल्प बनने की जल्दबाजी करने के बजाय विश्वसनीय विकल्प बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए व्यापार घाटे को कम करना, भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाना, आपूर्ति श्रृंखलाओं में भागीदारी बढ़ाना, निवेश को प्रोत्साहित करना और भारत-आसियान संपर्क परियोजनाओं को तेजी देना आवश्यक है। मनीला में घोषित समुद्री सहयोग योजना, साइबर प्रशिक्षण, अंतरिक्ष सहयोग, महत्वपूर्ण खनिज, परमाणु ऊर्जा, युवाओं और स्टार्ट-अप सहयोग तथा नालंदा में आसियान देशों के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति जैसी पहलें इसी नई दिशा की ओर संकेत करती हैं।

भारत-आसियान संबंधों की सबसे बड़ी चुनौती व्यापार असंतुलन है। केवल आयात बढ़ाना या बाजार खोलना पर्याप्त नहीं होगा। भारतीय उद्योग को आसियान के बाजारों में अधिक आक्रामक, गुणवत्तापूर्ण और प्रतिस्पर्धी उपस्थिति बनानी होगी। मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा भी इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। भारत की ताकत केवल अर्थव्यवस्था नहीं, उसकी संस्कृति भी है। रामायण की परंपरा से लेकर बौद्ध दर्शन, भारतीय भाषाओं, योग, आयुर्वेद और समुद्री व्यापार की प्राचीन स्मृतियों तक भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच सदियों पुराना संबंध है। आज आवश्यकता इस सभ्यतागत पूंजी को आधुनिक आर्थिक और तकनीकी साझेदारी से जोड़ने की है। मनीला सम्मेलन की सबसे बड़ी सीख यह है कि भारत को आसियान को केवल विदेश नीति की एक इकाई के रूप में नहीं देखना चाहिए। इसे भारत के आर्थिक, सामरिक और सभ्यतागत पुनर्संपर्क का द्वार बनाना चाहिए। यदि भारत व्यापार, तकनीक, समुद्री सुरक्षा और संपर्क के साथ संस्कृति, शिक्षा और युवाओं को जोड़ देता है, तो आसियान भारत के लिए केवल एक बाजार नहीं रहेगा, वह भारत के हिंद-प्रशांत भविष्य का स्वाभाविक साझेदार बन सकता है। आज प्रधानमंत्री मोदी जिस आत्मविश्वास के साथ वैश्विक मंचों पर भारत की बात रखते हैं, उसके पीछे वर्षों की कूटनीतिक मेहनत, संस्थागत तैयारी और विदेश मंत्रालय की निरंतर सक्रियता है। आसियान में भारत की स्वीकार्यता इस बात का प्रमाण है कि भारत की आवाज अब केवल सुनी नहीं जाती, बल्कि उस पर ध्यान भी दिया जाता है।

भारत की विदेश नीति का अगला लक्ष्य केवल विश्व में भारत की उपस्थिति दर्ज कराना नहीं होना चाहिए, लक्ष्य यह होना चाहिए कि विश्व की महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं के निर्माण में भारत की निर्णायक भूमिका हो। आसियान का मनीला मंच इसी बदलते भारत की तस्वीर सामने रखता है-भारत अब दुनिया के दरवाजे पर दस्तक देने वाला देश नहीं रहा, वह ऐसी शक्ति बन रहा है जिसके साथ दुनिया अपने भविष्य की रणनीति पर विचार करना चाहती है। यही मोदी युग की विदे



दो साल बाद वापसी होने जा रही है बे की

सीरीज कॉल मी बे में बेला बे चौधरी के किरदार से बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने दर्शकों का दिल जीत लिया। करण जौहर द्वारा समर्थित इस सीरीज में अनन्या की कॉमिक टाइमिंग और एक अमीर परिवार की लड़की के किरदार में उनकी एक्टिंग दर्शकों को खूब पसंद आई। वह मुंबई में अकेले अपनी जिंदगी संभालती नजर आती हैं। अब पहले सीजन के दो साल बाद बे की वापसी होने जा रही है। प्राइम वीडियो ने आखिरकार आने वाले सीजन की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। उम्मीद है कि नया सीजन उनकी उलझी हुई लव लाइफ और पत्रकारिता के चुनौतीपूर्ण करियर से आगे की कहानी दिखाएगा। हाल ही में प्राइम वीडियो ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें अनन्या बे के किरदार में एक स्टाइलिश आउटफिट पहने ऑटो-रिक्शा की छत पर लेटी हुई नजर आ रही हैं। क्लिप में वह कहती हैं, मैं बे हूं, मैं छा जाने के लिए आई हूं। खाओ, प्यार करो, प्रार्थना करो और आज के दिन का पूरा मजा लो। कैप्शन से पता चला कि नया सीजन 17 दिसंबर को रिलीज होगा। आने वाले सीजन में बे की लव लाइफ और भी उलझने वाली है, जिससे उसके दिल और उसके बहन कोड दोनों की परीक्षा होगी। कॉलिन डीकुन्हा द्वारा निर्देशित कॉल मी बे सीजन 2 को करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता ने धर्माटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। सोमेन मिश्रा और कॉलिन डीकुन्हा इसके एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं।

इशिता मोइत्रा द्वारा बनाई गई इस सीरीज को इशिता मोइत्रा, समीना मोटलेकर, रोहित नायर और नितल चंदरना ने लिखा है। नए सीजन में पुरानी कास्ट की वापसी होगी, जिसमें अनन्या पांडे मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। कॉल मी बे के दूसरे सीजन में श्रुति हासन की एंट्री होने वाली है। इसके अलावा, वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। दूसरे सीजन के बारे में बात करते हुए, प्रोड्यूसर करण जौहर ने कहा, सीजन 1 को मिले प्यार और रिस्पॉन्स ने यह साबित कर दिया कि दर्शक बे के उतार-चढ़ाव भरे सफर और जिंदगी को लेकर उसके बेबाक नजरिए से गहराई से जुड़ गए थे। सीजन 2 के जरिए हम उस दुनिया को और आगे ले जाना चाहते हैं। इसमें हम बे के नए पहलुओं को दिखाएंगे, साथ ही उस मजाक, जज्बात और बेबाक अंदाज को भी बनाए रखेंगे, जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया था। हम प्राइम वीडियो के साथ फिर से जुड़कर दर्शकों के सामने बे की जिंदगी का एक नया पड़ाव लाने के लिए उत्साहित हैं।

इसमें बे और उसकी प्यारी सहेलियां एक ऐसे नए सफर पर निकलेंगी, जो हंसी-मजाक, भावनाओं और ढेर सारी उथल-पुथल से भरा होगा। यह सीरीज बेला बे चौधरी की कहानी है, जो दक्षिण दिल्ली की एक अमीर सोशलिट हैं। उनका आलीशान जीवन तब अचानक बदल जाता है, जब उनका परिवार उन्हें बेदखल कर देता है। इसके बाद उन्हें मुंबई में अपनी जिंदगी नए सिरे से शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। अनन्या पांडे को उनकी कॉमिक टाइमिंग और स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी के लिए काफी तारीफ मिली। कई दर्शकों को यह शो मनोरंजक, हल्का-फुल्का और एक बार में पूरा देख लेने लायक लगा। वीर दास को भी एक टीवी न्यूज एंकर के रूप में उनके अभिनय के लिए काफी सराहा गया।



अपने अनोखे फैशन अंदाज को लेकर सोनम कपूर फिर चर्चा में

1936 की कलाकृति को अनामिका खन्ना ने दिया नया रूप

अभिनेत्री सोनम कपूर एक बार फिर अपने अनोखे फैशन अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। मुंबई में 17 नवंबर को आयोजित अर्थशॉट प्राइज 2026 के ग्रीन कार्पेट पर उन्होंने भारतीय कला और विरासत का खूबसूरत संगम पेश किया। सोनम ने इस खास मौके पर ऐसी पोशाक पहनी, जिसका कनेक्शन करीब 90 साल पुरानी एक पेंटिंग से है। उनकी साड़ी मशहूर भारतीय चित्रकार अमृता शेरगिल की साल 1936 में बनाई गई एक कलाकृति से प्रेरित थी। डिजाइनर अनामिका खन्ना ने इस ऐतिहासिक कलाकृति को आधुनिक फैशन का रूप दिया, जबकि सोनम की बहन रिया कपूर ने उनके पूरे लुक को स्टाइल किया। सोनम कपूर ने इस कार्यक्रम में गहरे हरे रंग की खूबसूरत साड़ी पहनी थी। इसके साथ उन्होंने लंबे झुमके और पश्चिमी अंदाज का खास कोट कैरी किया। उनका यह लुक भारतीय परंपरा और आधुनिक फैशन का अनूठा मेल नजर आया। इस पोशाक के पीछे की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। दरअसल, अमृता शेरगिल ने साल 1936 में अपने चचेरे भाई सुमेर अपजीत सिंह का एक चित्र बनाया था। इसी पेंटिंग से प्रेरणा लेकर अनामिका खन्ना ने सोनम के लिए यह विशेष पोशाक तैयार की।

रिया कपूर ने सोशल मीडिया पर इस लुक की जानकारी साझा करते हुए बताया कि अमृता शेरगिल आधी भारतीय और आधी हंगेरियन थीं। उन्होंने पेरिस में कला की शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल किया था। हालांकि, बाद में भारत उनके जीवन और कला की प्रेरणा का प्रमुख केंद्र बन गया। अमृता की तरह उनके चचेरे भाई सुमेर अपजीत सिंह का जीवन भी दो अलग-अलग संस्कृतियों के बीच बीता था। उनका पालन-पोषण पटियाला में हुआ था और उन्हें पश्चिमी पहनावे का भी शौक था। बाद में उन्होंने पेरिस में प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर एल्सा शियापारेली के लिए मॉडलिंग भी की थी। अमृता शेरगिल ने अपने चित्र में सुमेर को गहरे हरे रंग की साड़ी पहने दिखाया था। उनके हाथ में सफेद फूलों का एक गुच्छा भी नजर आता है। इसी ऐतिहासिक चित्र की रंगत और शैली को ध्यान में रखते हुए अनामिका खन्ना ने सोनम का लुक तैयार किया। इस विशेष पोशाक में शुद्ध शिफॉन की साड़ी का इस्तेमाल किया गया है। साड़ी पर हरे रंग के अलग-अलग शेडस हाथ से पेंट किए गए हैं। इसके साथ सिल्क वेलवेट का पश्चिमी शैली वाला कोट दिया गया है, जिसके किनारों पर बारीक जरदोजी का काम किया गया है। इस तरह भारतीय पारंपरिक पहनावे और पश्चिमी फैशन को एक साथ जोड़ा गया है। लगभग नौ दशक पुरानी पेंटिंग की प्रेरणा को आधुनिक अंदाज में पेश करना इस लुक की सबसे खास बात रही। सोनम कपूर अर्थशॉट प्राइज 2026 समारोह में प्रस्तुतकर्ता और अतिथि के रूप में शामिल हुई थीं। इस कार्यक्रम में ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और राजकुमारी केट मिडलटन भी मौजूद थे। 17 नवंबर को मुंबई में आयोजित यह समारोह पहली बार भारत में हुआ।



नवाजुद्दीन के साथ काम करने के अनुभव को बुरे सपने जैसा बताया दीया मिर्जा ने

अभिनेत्री दीया मिर्जा की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने मनोरंजन जगत में नई चर्चा छेड़ दी है। उन्होंने अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने के अनुभव को बुरे सपने जैसा बताया है। दीया की इस टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर दोनों कलाकारों को लेकर बहस शुरू हो गई है। जहां कुछ लोग अभिनेत्री के समर्थन में अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं, वहीं कई यूजर्स उनकी पोस्ट को किसी नए प्रोजेक्ट का प्रचार और प्रचार रणनीति बता रहे हैं। दीया मिर्जा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नोट साझा किया। इसमें उन्होंने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के व्यवहार पर नाराजगी जाहिर की। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में अभिनेता को टैग करते हुए लिखा कि उनके साथ काम करना एक बुरे सपने जैसा अनुभव रहा। उन्होंने अभिनेता के बातचीत करने के तरीके और व्यवहार पर सवाल उठाते हुए उन्हें बेहद आपत्तिजनक व्यक्ति बताया। अभिनेत्री की इस टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच लिया।

हालांकि, दीया मिर्जा ने अपनी पोस्ट में यह स्पष्ट नहीं किया कि उन्हें नवाजुद्दीन सिद्दीकी के किस व्यवहार से परेशानी हुई और यह अनुभव किस फिल्म या परियोजना से जुड़ा है। उन्होंने इस विवाद के पीछे की पूरी वजह भी साझा नहीं की है। दूसरी ओर, खबर लिखे जाने तक नवाजुद्दीन सिद्दीकी की ओर से भी इस टिप्पणी पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। पोस्ट सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ लोगों ने अभिनेत्री की बात को गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले का संदर्भ जानने की इच्छा जताई। वहीं, कई यूजर्स ने इसे किसी आने वाली फिल्म, विज्ञापन या नए प्रोजेक्ट से जोड़कर देखा। उनका मानना है कि मनोरंजन जगत में कई बार कलाकारों की सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किसी परियोजना का प्रचार किया जाता है। ऐसे में दीया की इस टिप्पणी को लेकर भी कुछ लोगों ने संदेह जताया।



एक यूजर ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यह भी प्रचार रणनीति का हिस्सा हो सकता है, क्योंकि आजकल सोशल मीडिया पर इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं। एक अन्य यूजर ने दोनों कलाकारों के सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या की तुलना करते हुए प्रतिक्रिया दी। वहीं, एक यूजर ने कहा कि अब दर्शक प्रचार और वास्तविक विवाद के बीच अंतर समझने लगे हैं। कुछ यूजर्स ने यह भी कहा कि अगर कलाकार लगातार विवादों के जरिए अपने प्रोजेक्ट का प्रचार करेंगे, तो भविष्य में लोग उनकी वास्तविक समस्याओं और गंभीर शिकायतों को भी प्रचार समझकर नजरअंदाज कर सकते हैं। एक अन्य टिप्पणी में दीया की अभिनय क्षमता पर भी निशाना साधा गया। फिलहाल इस पूरे मामले में दीया मिर्जा की ओर से कोई विस्तृत स्पष्टीकरण नहीं आया है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी की प्रतिक्रिया का भी इंतजार है। दोनों कलाकारों के बीच विवाद की वास्तविक वजह सामने आने के बाद ही तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

प्रियंका ने याद किया अभिषेक संग शरारत

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने एक साक्षात्कार के दौरान अपने सह-कलाकार अभिषेक बच्चन के साथ की गई एक पुरानी और मजेदार शरारत को याद किया है। प्रियंका ने बताया कि एक बार उन्होंने अभिषेक का फोन छुपा दिया था और उससे अभिनेत्री रानी मुखर्जी को एक मैसेज भेजा।



गौरतलब है कि अभिषेक और रानी के अपने-अपने जीवनसाथी से शादी करने से पहले उनके बीच प्रेम संबंध होने की खबरें थीं।

प्रियंका ने कहा कि अभिषेक ने ही सबसे पहले उनका फोन चुराकर इस शरारत की शुरुआत की थी, और उन्होंने इसे अभिषेक पर पलटवार करने का एक मौका समझा। प्रियंका ने अपने मैसेज में लिखा था, मुझे तुम्हारी याद आ रही है, तुम कहां थी? क्या तुमज़ रानी मुखर्जी ने इसका जवाब देते हुए लिखा, हाय एबी, क्या हुआ है तुम्हें? बाद में यह बात सामने आई कि प्रियंका को इस घटना के बारे में जिसने बताया था, वह संभवतः अभिषेक ही थे।

ग्रीस में छुट्टियां मना रहे सैफरीना

बॉलीवुड की पसंदीदा जोड़ियों में से एक, करीना कपूर खान और सैफ अली खान इन दिनों ग्रीस में अपने परिवार के साथ छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे हैं। हाल ही में अभिनेता सैफ अली खान ने अपनी इंस्टाग्राम कहानियों पर इस फैमिली ट्रिप की कुछ मनमोहक झलकियां प्रशंसकों के साथ साझा कीं। इन तस्वीरों में कपल सूर्यास्त के खूबसूरत नज़ारे के सामने रोमांटिक अंदाज में पोज देते हुए एकदम परफेक्ट नजर आ रहा है। एक तस्वीर में सैफ अली खान एक साइनबोर्ड के सामने खड़े दिख रहे हैं, जिस पर सनसेट लिखा है। उन्होंने इसके साथ लिखा, अगर कोई शक हो तो। करीना के साथ अपनी फोटो पोस्ट करते हुए सैफ ने मजाकिया कैप्शन में लिखा, सनसेट तो मुख्य आकर्षण होना चाहिए था, लेकिन कोई मेरा ध्यान भटका रहा है। दूसरी तस्वीर में सैफ, पत्नी करीना और छोटे बेटे जेह के साथ एक प्यारी-सी सेल्फी ले रहे हैं।

बॉक्स ऑफिस पर सीन ने की शानदार कमाई



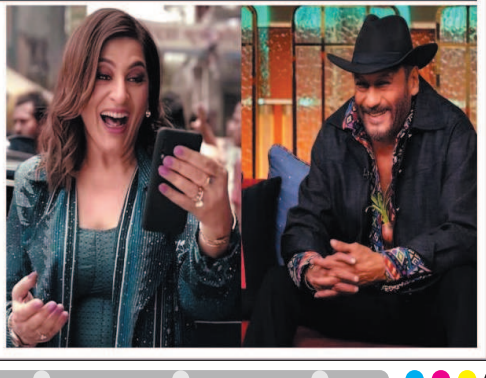
बॉक्स ऑफिस पर रामायण के बीच सीन ने भी शानदार कमाई कर रही है। दूसरे शनिवार को फिल्म ने शानदार कलेक्शन किया। यह फिल्म सूर्या के करियर की सेकंड हाइएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे शनिवार को 11.21 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने 5 करोड़ का बिजनेस किया। फिल्म ने नौवें दिन टोटल 16.21 करोड़ का बिजनेस किया। वहीं आठवें दिन फिल्म ने 10.58 करोड़ का कलेक्शन किया था। दूसरे शनिवार को फिल्म की कमाई में 53.21 परसेंट की ग्रोथ दिखी। फिल्म ने इंडिया में नेट 126.8 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं फिल्म ने 149.63 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने 78.7 करोड़ की बिजनेस किया। वर्ल्डवाइड फिल्म ने 228.33 करोड़ का बिजनेस किया। इसी के साथ सीन सूर्या के करियर की दूसरी सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बन गई है। इस फिल्म ने विश्वनाथ एंड सन्स ने 212.23 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं सीन ने 228.33 करोड़ कमा लिए हैं। अब सीन से आगे करुप्पु है सूर्या के करियर की टॉप 10 हाइएस्ट ग्रॉसर फिल्मों की बात करें तो इस लिस्ट में करुप्पु नंबर वन पर है। फिल्म ने 315 करोड़ कमाए। दूसरे नंबर पर सीन है। फिल्म ने 9 दिनों में 228.33 करोड़ कमाए। विश्वनाथ एंड सन्स ने तीसरे नंबर पर जगह बनाई है। इस फिल्म ने 212.23 करोड़ का बिजनेस किया। चौथे नंबर पर सिंघम 2 है। इस फिल्म ने 108.9 करोड़ कमाए। पांचवें नंबर 24 है। इस फिल्म ने 108.9 करोड़ का बिजनेस किया। छठें नंबर पर कंगुवा है। फिल्म ने 107.03 करोड़ का बिजनेस किया। सातवें नंबर पर 7 अमअरिवु है। फिल्म ने 105.2 करोड़ की कमाई की। आठवें नंबर पर सिंघम 3 है। इस फिल्म ने 104.6 करोड़ कमाए। नौवें नंबर पर रेट्रो है। इस फिल्म ने 9.48 करोड़ की कमाई की।

जैकी श्रॉफ ने संघर्ष के दिनों में उधार लिए पांच रुपये लौटाए, अर्चना पूरन सिंह को दिए 500 रुपये

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ अपने बेबाक अंदाज और दरियादिली के लिए जाने जाते हैं। उनके संघर्ष के दिनों से जुड़ा एक पुराना किस्सा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। इस कहानी में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह भी शामिल हैं। दरअसल, जैकी श्रॉफ ने कई साल पहले अर्चना से पांच रुपये उधार लिए थे। अब उन्होंने यह रकम दस गुना नहीं, बल्कि सौ गुना करके लौटाई है। अभिनेता ने पांच रुपये के बदले अर्चना को 500 रुपये दिए। इस घटना से जुड़ा एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर फिर से चर्चा में है। यह किस्सा कपिल शर्मा के कॉमेडी शो के एक पुराने एपिसोड से जुड़ा है। उस कार्यक्रम में अर्चना पूरन सिंह ने जैकी श्रॉफ के संघर्ष के दिनों की कहानी सुनाई थी। उन्होंने बताया था कि जब दोनों अपने करियर में जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे, तब वे नेपियन सी रोड पर आसपास रहते थे। जैकी उस समय तीन बत्ती इलाके में रहते थे। अर्चना ने बताया कि जैकी का स्वभाव हमेशा से मददगार रहा है और वह जरूरतमंद लोगों की परेशानी देखकर उनकी सहायता करने के लिए आगे आ जाते थे।

अर्चना के मुताबिक, जब जैकी के सामने कोई जरूरतमंद व्यक्ति आ जाता और अपनी परेशानी बताता, तो अभिनेता तुरंत उसकी मदद करना चाहते थे। ऐसे में वह कई बार उनसे एक रुपया मांग लेते थे। अर्चना ने बताया कि उन्हें उस समय समझ नहीं आता था कि जैकी उनसे पैसे क्यों मांग रहे हैं, लेकिन वह उन्हें एक रुपया दे देती थीं। इसके बाद जैकी उस जरूरतमंद व्यक्ति को पैसे दे देते थे और बदले में उसे दुआएं मिलती थीं। अर्चना ने बताया कि उस समय दोनों ही संघर्ष कर रहे थे। उनके पास भी ज्यादा पैसे नहीं होते थे, लेकिन जैकी का दिल बहुत बड़ा था। वह अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा जरूरतमंदों की मदद में खर्च कर देते थे। इसी वजह से कई बार उनके पास खुद के खर्च के लिए पैसे कम पड़ जाते थे। जब जैकी श्रॉफ ने यह पुराना वीडियो देखा, तो उन्होंने अर्चना को पांच रुपये के बदले 500 रुपये लौटाए। अभिनेता ने मजाकिया अंदाज में कहा कि पांच रुपये के बदले 500 रुपये। इस पर अर्चना ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह कपिल के शो में उनकी पहली कमाई है।

जैकी ने इस दौरान अपनी पुरानी आदत के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि जब उन्हें शूटिंग के बाद पैसे मिलते थे, तो रास्ते में मिलने वाले जरूरतमंद लोगों की मदद करने में वह रकम खर्च हो जाती थी। कभी किसी का घर जल गया होता, तो कभी किसी के परिवार में शादी होती या किसी के घर बच्चे का जन्म होने वाला होता। ऐसे मौकों पर वह अपनी क्षमता के अनुसार मदद करते थे। अभिनेता ने बताया कि कई बार प्रोडक्शन से जुड़े लोगों को भी पता होता था कि उस दिन उन्हें भुगतान मिलने वाला है। लेकिन घर पहुंचने तक वह पैसे लोगों की मदद में खर्च कर चुके होते थे। ऐसी स्थिति में उन्हें अर्चना से पैसे उधार लेने पड़ते थे। यह पुराना किस्सा एक बार फिर जैकी श्रॉफ की दरियादिली और अर्चना के साथ उनके पुराने रिश्ते को सामने लाता है।



राजनांदगांव महापौर मधुसूदन यादव ने होनहार छात्रों और विशिष्ट अतिथियों को किया गया सम्मानित

डॉ. जेबी सिंह मेमोरियल स्कूल में 'टॉप टेन कार्यक्रम' का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

स्थानीय डॉ. जे.बी. सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्वर्गीय पापाजी एलएसबी सिंह सर की मधुर स्मृति में भव्य 'टॉप टेन कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजनांदगांव के महापौर मधुसूदन यादव उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि महापौर मधुसूदन यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन करने, जीवन में अनुशासन का पालन करने और एकाग्रता के साथ पढ़ाई कर अपना उज्ज्वल करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. जेबी सिंह मेमोरियल स्कूल को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा और इस विद्यालय के परीक्षा परिणाम अनुकरणीय हैं। अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए उन्होंने गर्व से कहा कि उनके सुपुत्र रिभय भी इसी विद्यालय के गौरवशाली पूर्व छात्र रहे हैं और उन्होंने अनुशासन का पहला पाठ इसी विद्यालय से सीखा है।

महापौर श्री यादव ने राजकुमार कॉलेज, रायपुर में आयोजित मध्य भारत स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यालय के विजेता विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि सौम्या गुप्ता का कंप्यूटर साइंस (बेंगलुरु) में चयन, आस्था जैन का रावतपुरा मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में चयन, अर्शवीर सिंह बग्गा का आईसर भोपाल में चयन तथा देविका साहू का दिल्ली विश्वविद्यालय में चयन डॉ. जेबी सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के अनुकरणीय शैक्षणिक स्तर का जीवंत उदाहरण है। इन शानदार उपलब्धियों के लिए उन्होंने विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती एकता खंडेलवाल की कार्य पद्धति की प्रशंसा करते हुए आगे भी उत्कृष्टता का यह क्रम जारी रखने हेतु प्रेरित किया तथा प्रबंधन के संजय बहादुर सिंह और



सावंत बहादुर सिंह को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने पप्पा जी एलएसबी सिंह सर तथा फाउंडर सर दादा डॉक्टर जेबी सिंह को भी हृदय की गहराइयों से याद किया। मधुसूदन यादव ने कहा कि इस संस्थान को जब भी मेरी किसी भी प्रकार से जरूरत पड़ेगी, मैं सदा उनके सहयोग हेतु तत्पर खड़ा मिलूंगा।

सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों की सूची

नर्सरी: शिविका सिंह आत्मजा श्रेयांश सिंह को बेस्ट परफार्मेंस इन फैंसी ड्रेस कॉम्पीटीशन में माँ दुर्गा काली के श्रेष्ठ प्रभावशाली परफार्मेंस हेतु बेस्ट परफार्मर अवार्ड। कक्षा छठवीं: प्रज्ञान बघेल (नेचुरल लीडर अवार्ड), मानवीर साहू (ऑल राउंडर चैंपियन), आस्था वैष्णव (डांसिंग स्टार स्टूडेंट अवार्ड)। कक्षा आठवीं: सौम्या रानी साहू (हार्डवर्किंग एंड क्विक लर्नर अवार्ड)। कक्षा नौवीं: हर्षिता साहू (अकादमिक एक्सीलेंस अवार्ड), यश कुमार (यंग ओरेटर अवार्ड)। कक्षा दसवीं: काव्या पटेल (यंग स्कॉलर अवार्ड), मो. फरहान हनफी (नॉलेज चैंपियन अवार्ड), प्रणव खंडेलवाल (जीनियस एंड कॉन्फिडेंस स्टार), अनन्या गुप्ता (मोस्ट सिंसियर चाइल्ड अवार्ड)। कक्षा ग्यारहवीं: मौली हिरवानी (कक्षा दसवीं टॉपर), मोहक यादव (कमांडिंग पर्सनालिटी अवार्ड), पलक जैन (ग्रेस एंड रिदम अवार्ड)। कक्षा बारहवीं: वेदांश वैष्णव (मोस्ट ऑबिडिएंट चाइल्ड), आराध्य शर्मा (कक्षा बारहवीं टॉपर)।

विशेष अतिथियों व विशिष्ट जनों का सम्मान

इस अवसर पर मुख्य अतिथि महापौर मधुसूदन यादव द्वारा शहर के प्रतिष्ठित पत्रकार आलोक शर्मा, सूरज बुद्धदेव, ऋषि सिन्हा, श्रीमती संगीता सिन्हा तथा अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे को शॉल, श्रीफल, स्मृति चिह्न एवं वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विशिष्ट प्रतिभा पुरस्कार के अंतर्गत श्रीमती किरण बिसेन, सुश्री सरिता सिंह, सुश्री प्रीति श्रीवास्तव, श्रीमती अंजलि साहू और आयुष मारजीवे को भी स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र एवं कैश अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे ने निर्देशक संजय बहादुर सिंह के इस इनिशिएटिव को एक उत्कृष्ट कदम बताया, जिसमें समस्त प्रतिभाओं को प्रोत्साहन का मौका मिलता है। मृणाल ने कहा कि वह जो कुछ भी हैं, पप्पाजी श्री एलएसबी सिंह के आदर्शों के बलबूते एवं रॉयल किड्स कान्वेंट की शिक्षा के दम पर हैं।

कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के निदेशक मंडल के सदस्य अध्यक्षा डॉ. सविता जेबी सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, निदेशक संजय बहादुर सिंह, सावंत बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, मनीषा सिंह, राहुल देव चौधरी, बरसर डॉ. इंद्रकुमार वैष्णव, एकेडमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल और प्राचार्या श्रीमती एकता खंडेलवाल द्वारा मुख्य अतिथि महापौर मधुसूदन यादव को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर आत्मीय सम्मान किया गया।

खास खबर

एडीपीएस एक्ट और नवीन आपराधिक कानूनों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण, 80 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी हुए शामिल



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

रक्षित केंद्र दुर्ग के प्रशासनिक भवन स्थित दधीचि प्रशिक्षण हॉल में NDPS एक्ट एवं नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में निरीक्षक, उप निरीक्षक, प्रशिक्षु उप निरीक्षक एवं सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारियों सहित 80 से अधिक अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

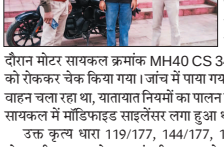
प्रशिक्षण के दौरान NDPS एक्ट के महत्वपूर्ण प्रावधानों, मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों में की जाने वाली वैधानिक कार्यवाही, तलाशी एवं जप्ती की प्रक्रिया, साक्ष्य संकलन तथा विवेचना के दौरान आवश्यक कानूनी सावधानियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इसके साथ ही नवीन आपराधिक कानूनों के प्रमुख प्रावधानों, उनके व्यावहारिक उपयोग तथा पुलिस कार्यवाही में प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में भी प्रशिक्षण दिया गया।

उप संचालक अभियोजन भीम सिंह राजपूत एवं जिला अभियोजन अधिकारी शिक्षा मेश्राम ने विवेचना के दौरान होने वाली त्रुटियों, कानूनी प्रक्रियाओं एवं उनके निराकरण के संबंध में प्रशिक्षण दिया। विशेष लोक अभियोजक सूरज शर्मा एवं प्रकाश शर्मा ने ओपन प्रश्नोत्तरी के माध्यम से कानूनी विषयों एवं विवेचना से संबंधित व्यावहारिक जानकारी दी।

उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने स्थायी वारंटों की तामीली एवं लंबित मामलों में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के संबंध में व्याख्यान दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मणीशंकर चंद्रा ने भी अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए। अधिकारियों को निष्पक्ष एवं त्रुटिरहित विवेचना, निर्धारित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन तथा लंबित प्रकरणों में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के संबंध में निर्देशित किया गया।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कानूनी दक्षता और कार्यकुशलता में वृद्धि करना, NDPS एक्ट के प्रावधानों के अनुरूप वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करना तथा नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से विवेचना की गुणवत्ता में सुधार लाना है।

मॉडिफाइड साइलेंसर लगी बुलेट पर पुलिस ने लगाया चालान, न्यायालय में पेश किया इस्तगासा



राजनांदगांव। पुलिस चौकी चिचोला द्वारा 21 नवंबर को चिचोला (रेंगाटोला) क्षेत्र में यातायात नियमों के पालन हेतु वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान मोटर सायकल क्रमांक MH40 CS 3445 (बुलेट) के चालक को रोककर चेक किया गया। जांच में पाया गया कि चालक बिना हेलमेट वाहन चला रहा था, यातायात नियमों का पालन नहीं कर रहा था और मोटर सायकल में मॉडिफाइड साइलेंसर लगा हुआ था।

उक्त कृत्य धारा 119/177, 144/177, 194(घ), 182(क)(4) मोटर व्हीकल एक्ट के तहत दंडनीय पाए जाने पर मौके पर मोटर पंचनामा तैयार किया गया। मामले में इस्तगासा तैयार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है। वाहन स्वामी निरंजन विट्ठल निवासी डोंगरगांव बताया गया है। पुलिस चौकी चिचोला ने आम जनता से अपील की है कि यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट अवश्य लगाएं एवं मॉडिफाइड साइलेंसर का उपयोग न करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध इसी प्रकार कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय केवल डिग्रियां देने तक सीमित न रहे, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाए पहचान – प्रेमप्रकाश पांडेय

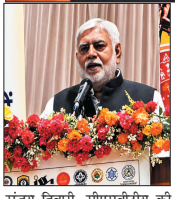
नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग में आयोजित 48वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस का तीन दिवसीय राष्ट्रीय अकादमिक आयोजन 21 नवंबर को गरिमामय समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ। भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, प्रयागराज के तत्वावधान में आयोजित इस कांग्रेस का केंद्रीय विषय भारतीय भाषाओं में विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान था। देश के विभिन्न राज्यों से शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, शोधकताओं एवं विद्यार्थियों ने इसमें सहभागिता की।

तीसरे दिन के प्लेनरी सेशन-III की अध्यक्षता प्रख्यात मनोवैज्ञानिक प्रो. बी. सी. सिंह ने की। अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई के प्रो. आई. अरुल अरम ने तमिल भाषा में विज्ञान संचार एवं वैज्ञानिक शिक्षा विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि मातृभाषा वैज्ञानिक ज्ञान और समाज के बीच सेतु का कार्य करती है। इसके बाद सातवां बी. वी. रंगाराय स्मृति व्याख्यान आयोजित हुआ, जिसमें प्रो. वैष्णब सी. त्रिपाठी ने दोराहे पर भारतीय विज्ञान विषय पर व्याख्यान दिया।

समापन समारोह की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री तथा वर्तमान विधायक प्रेमप्रकाश पांडेय ने की। समारोह में छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. आई. पी. मिश्रा, भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. राणा प्रताप सिंह, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ.





संजय तिवारी, सीएसवीटीयू की कुलपति डॉ. रिमता तथा दुर्ग संभाग के आयुक्त सत्यनारायण राठौर सहित अनेक शिक्षाविद उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में प्रेमप्रकाश पांडेय ने कहा कि भारत विविध भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं वाला देश है तथा छत्तीसगढ़ इस विविधता का लघु स्वरूप है। उन्होंने छत्तीसगढ़ी सहित क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज अंग्रेजी का प्रयोग और महत्व बढ़ा है, किंतु भारतीय भाषाओं में निहित ज्ञान-विज्ञान एवं बौद्धिक परंपरा को भी समान महत्व मिलना चाहिए। उन्होंने इस धारणा को चुनौती दी कि विज्ञान और चिकित्सा शिक्षा केवल अंग्रेजी में ही संभव है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप भारतीय भाषाओं में उच्च शिक्षा एवं विज्ञान शिक्षण को बढ़ावा देने से ज्ञान अधिक लोगों तक पहुंचेगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय बौद्धिक क्षमता न कभी कम थी और न कभी कम होगी। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय को बधाई देते हुए उन्होंने कामना की कि विश्वविद्यालय केवल डिग्रियां प्रदान करने तक सीमित न रहे, बल्कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाए।

कुलपति प्रो. डॉ. संजय तिवारी ने कहा कि भाषा शिक्षा के लिए पुल की तरह होनी चाहिए, दीवार की तरह नहीं। उन्होंने अनुवादिनी एवं भाषिणी जैसे अनुप्रयोगों, पुस्तकों के डिजिटलीकरण और ई-लाइब्रेरी के माध्यम से भारतीय भाषाओं में ज्ञान की उपलब्धता बढ़ाने पर बल दिया।

प्रो. राणा प्रताप सिंह ने सीमित संसाधनों में सम्मेलन के सफल आयोजन की सराहना की। दुर्ग संभाग के आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने भारतीय भाषाओं की समृद्धता की प्रशंसा की। डॉ. आई. पी. मिश्रा ने कहा कि विज्ञान तभी सार्थक है जब उसका ज्ञान संस्कृत सहित भारतीय भाषाओं में भी पढ़ाया जाए।

आभार प्रदर्शन करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. नीलू श्रीवास्तव ने बताया कि कांग्रेस में लगभग 164 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए, तीन प्लेनरी सत्र और दो सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित हुए तथा 21 थीमैटिक पैनलों के अंतर्गत 28 विषयों पर शोध एवं अकादमिक चर्चा हुई।

इस कांग्रेस का आयोजन हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग; श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई; छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई; आईआईटी भिलाई तथा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के सहयोग से किया गया।

नंदिनी में दो दिवसीय लर्निंग लाइसेंस विशेष शिविर, पहले दिन 63 लोगों को मिला लाइसेंस



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

यातायात पुलिस दुर्ग एवं जिला परिवहन कार्यालय दुर्ग द्वारा 21 से 22 नवंबर तक नंदिनी थाना परिसर में लर्निंग लाइसेंस विशेष शिविर लगाया गया है। शिविर के पहले दिन 63 लोगों का लर्निंग लाइसेंस बनाकर वितरण किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देश पर धमधा के बाद नंदिनी क्षेत्रवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्र में निवासरत वाहन चालकों को परिवहन संबंधी आवश्यक दस्तावेज बनवाने एवं नवीनीकरण कराने की सुविधा उनके नजदीक उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें जिला परिवहन कार्यालय दुर्ग तक आने-जाने की परेशानी न उठानी पड़े।

शिविर का आयोजन 21 नवंबर से 22 नवंबर 2026 तक थाना परिसर नंदिनी में किया गया है। शिविर का समय प्रतिदिन प्रातः 10:30 बजे से शाम 05:00 बजे तक निर्धारित किया गया है।

शिविर में सुविधाएं : नवीन लर्निंग लाइसेंस एवं परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की सुविधा, पुराने ड्राइविंग लाइसेंस का नवीनीकरण, वाहनों के नवीन परमिट एवं परमिट नवीनीकरण, वाहन फिटनेस, वाहन स्वामित्व नामांतरण एवं अन्य परिवहन संबंधी दस्तावेजों का कार्य, ई चालान, ट्रैफिक कार्ड सहित विभिन्न कार्य होंगे।

आवश्यक दस्तावेज : शिविर में आने वाले आवेदक अपने साथ आधार कार्ड एवं पैन कार्ड की छायाप्रति, पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर तथा संबंधित कार्य के अनुसार पुराना ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहन के आवश्यक दस्तावेज लेकर उपस्थित हों।

यातायात पुलिस दुर्ग ने नंदिनी एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के समस्त नागरिकों और वाहन चालकों से अपील की है कि इस दो दिवसीय विशेष शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अपने ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहनों से संबंधित दस्तावेज समय पर बनवाएं एवं नवीनीकृत कराएं।

ओडिशा से सुकमा आ रहे दो वाहनों से 25 किलो 450 ग्राम गांजा बरामद, एक गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / सुकमा

सुकमा पुलिस ने ऑपरेशन आगाज के तहत अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए 25 किलो 450 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक वाहन से संघर्षरत बालक को अभिरक्षा में लिया गया है। गांजा सहित दो वाहन एवं मोबाइल फोन सहित कुल 14,52,500 रुपये का मशरूका जब्त किया गया है।

पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए ऑपरेशन



आगाज अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 21 नवंबर को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल एवं हल्के हरे रंग की स्कूटी में मलकानगिरी (ओडिशा) की ओर से सुकमा की तरफ आ रहे हैं, जिनके पास अवैध गांजा होने की संभावना है।

सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर पुलिस टीम ने सुकमा चेक पोस्ट के पास घेराबंदी कर संदिग्ध वाहनों को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान दोनों वाहनों में रखे ट्रॉली बैग से कुल 12 पैकेट में भरा 25 किलो 450 ग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने विधिवत जप्ती पंचनामा तैयार कर गांजा, परिवहन में प्रयुक्त दोपहिया वाहन एवं मोबाइल फोन जब्त किए।

गिरफ्तार आरोपी में रविन्द्र सोड़ी, पिता गंगा सोड़ी, उम्र 19 वर्ष, निवासी कुरकुंडी, थाना कालीमेला, जिला मलकानगिरी (ओडिशा)। इसके अतिरिक्त प्रकरण में एक विधि से संघर्षरत बालक की संलिप्तता पाई गई है, जिसके संबंध में किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

जब्त सामग्री : अवैध गांजा 25 किलो 450 ग्राम, काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल क्रमांक OD-30J-3459, हल्के हरे रंग की स्कूटी क्रमांक OD-30J-2346, विवो कंपनी का एक मोबाइल फोन एवं रियलमी कंपनी का एक मोबाइल फोन।

इस मामले में थाना सुकमा में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(B)(ii)(C), 29 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रकरण में गांजा के स्रोत, परिवहन एवं तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं की विवेचना की जा रही है। सुकमा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार एवं तस्करी से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

बैठक सड़क हादसों में मौत कम करने और नशा उन्मूलन के दिए निर्देश

डीजीपी गौतम ने ली दुर्ग के राजपत्रित अधिकारियों की समीक्षा बैठक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने शुक्रवार को पुलिस कंट्रोल रूम, दुर्ग में दुर्ग जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में दुर्ग रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अभिषेक शांडिल्य, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर शोभराज अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मणिशंकर चंद्रा सहित जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पीपीटी के माध्यम से वर्ष 2026 में दुर्ग पुलिस द्वारा किए गए कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इसमें जिले में घटित अपराधों का तुलनात्मक विश्लेषण, अपराधों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए की गई कार्रवाई, यातायात व्यवस्था में सुधार, सड़क



दुर्घटनाओं में मृत्यु दर में आई कमी तथा पुलिस विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी दी गई।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश : पुलिस महानिदेशक ने सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु को गंभीरता से लेते हुए विशेष रूप से शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध लगातार सघन कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी राजपत्रित अधिकारी अपने-अपने अनुविभाग एवं थाना क्षेत्रों में प्रभावी पर्यवेक्षण करते हुए कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं एवं उनमें होने वाली मृत्यु की संख्या में और कमी लाई जा सके।

नशे में फंसे बच्चों-युवाओं की प्रोफाइलिंग और पुनर्वास : नशे के विरुद्ध प्रभावी एवं निरंतर कार्रवाई के निर्देश देते हुए डीजीपी ने नशे की लत में फंसे बच्चों एवं युवाओं की पहचान कर उनकी प्रोफाइलिंग करने पर जोर दिया। ऐसे बच्चों को केवल कार्रवाई के दायरे में रखने के बजाय उन्हें नशे की लत से बाहर निकालकर समाज की मुख्यधारा में वापस लाने के लिए समुचित कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। एनटीएफ एवं संबंधित राजपत्रित अधिकारियों को नशा मुक्ति केंद्रों एवं संबंधित विभागों के समन्वय से आवश्यक कदम उठाने को कहा गया।

साइबर अपराधों पर समन्वय से कार्रवाई : साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौती को देखते हुए साइबर सेल के अधिकारियों को अन्य जिलों एवं संबंधित पुलिस इकाइयों के साथ बेहतर समन्वय, सूचनाओं का आदान-प्रदान तथा अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

15 बिंदुओं पर पर्यवेक्षण के निर्देश : डीजीपी ने राजपत्रित अधिकारियों को 15 निर्धारित बिंदुओं पर नियमित पुलिस पर्यवेक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इनमें थानों का नियमित निरीक्षण, लंबित अपराधों एवं विवेचनाओं की समीक्षा, विवेचना की गुणवत्ता एवं समयबद्धता, केस डायरी का अवलोकन, अभिलेखों का संधारण, कानून-व्यवस्था की समीक्षा, गंभीर घटनाओं पर घटनास्थल निरीक्षण, प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, फरार आरोपियों एवं वारंट तामिली, लंबित चालान, पुलिस बल की कार्यप्रणाली एवं अनुशासन, जनसामान्य से व्यवहार एवं शिकायतों का निराकरण तथा कानूनी प्रावधानों का पालन शामिल है।

डीजीपी ने स्पष्ट किया कि पर्यवेक्षण केवल औपचारिक निरीक्षण तक सीमित न रहे, बल्कि थाना स्तर पर विवेचना, कानून-व्यवस्था एवं पुलिस कार्यप्रणाली में सुधार के लिए नियमित रूप से किया जाए।

अकवान तूफान से फसल नुकसान पर किसानों को 72 घंटे में बीमा कंपनी को देनी होगी सूचना

दुर्ग। चक्रवाती तूफान अकवान के प्रभाव से हुई असामान्य बारिश को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों से फसल नुकसान की सूचना एवं बीमा दावा प्रक्रिया के संबंध में अपील की है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल नुकसान होने पर किसानों को 72 घंटे के भीतर बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर 14447 (कृषि रक्षक पोर्टल) पर सूचना देना अनिवार्य है।

निधन



शंकर नारायण दलाई

भिलाई। श्री जगन्नाथ मंदिर, सेक्टर-4 के सम्मानित सदस्य एवं भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के कार्मिक शंकर नारायण दलाई (उम्र 56 वर्ष), सुपुत्र स्व. भास्कर दलाई का शनिवार, 21 नवंबर 2026 को बीएसपी सेक्टर-9 अस्पताल में आकस्मिक निधन हो गया। वे श्रीमती अमिता दलाई एवं प्रदीप दलाई के बड़े भाई थे। उनकी अंतिम यात्रा रविवार, 22 नवंबर 2026 को दोपहर 12 बजे उनके निवास स्थान क्वार्टर नंबर 13-ए, सड़क-32, सेक्टर-10, भिलाई से शिवनाथ नदी मुक्तिधाम के लिए निकाली जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया।

कम धान बेचने पर भी किसानों को बोए गए रकबे के अनुसार मिलेगा लाभ : कलेक्टर यादव

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम जंगलेशर में आयोजित कृषक चौपाल में शामिल हुए। उन्होंने किसानों एवं ग्रामीणों से सीधे संवाद कर खेती-किसानी, फसल चक्र परिवर्तन, जल संरक्षण, आधुनिक कृषि तकनीक तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों को परंपरागत खेती के साथ आधुनिक एवं लाभकारी फसलों की खेती अपनाकर आय बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य देवकुमार साहू, विधायक प्रतिनिधि संतोष अग्रवाल, कोमल सिंह राजपूत उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कृषक उन्नति योजना की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य शासन द्वारा किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने तथा कृषि क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से योजना संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को कम मात्रा में धान उत्पादन एवं विक्रय करने पर भी योजना के निर्धारित प्रावधानों एवं पात्रता के अनुसार आदान सहायता राशि का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि किसान यदि कम धान भी विक्रय करते हैं, तो भी उन्हें योजना के प्रावधानों के अनुरूप बोये गये रकबे पर प्रति एकड़ समान रूप से आदान सहायता राशि का लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने किसानों को योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने किसानों को फसल चक्र परिवर्तन अपनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि लगातार धान की खेती करने के स्थान पर मक्का, चना, गेहूं सहित अन्य दलहन, तिलहन एवं लाभकारी फसलों की खेती को बढ़ावा देना चाहिए। इससे पानी की खपत कम होगी, भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहेगी तथा किसानों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के लिए कम पानी वाली फसलों



की खेती करना आवश्यक है। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक एवं वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

कलेक्टर ने कहा कि ग्राम जंगलेशर कृषि के क्षेत्र में उन्नत गांव है। यहां के किसान आधुनिक खेती अपनाकर अपनी आमदनी और बढ़ा सकते हैं। उन्होंने जशपुर जिले का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां किसान मिर्च, टमाटर एवं फूलों की खेती कर अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं। इसी प्रकार जंगलेशर के किसान भी उद्यानिकी एवं व्यावसायिक फसलों की खेती अपनाएं। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव से रायपुर एवं कोलकाता जैसे बड़े बाजारों तक रेल संपर्क की सुविधा उपलब्ध है। इसका लाभ उठाकर किसान अपनी कृषि उपज को बड़े बाजारों तक पहुंचाकर बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकते हैं। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को घरों में सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने समीपस्थ ग्राम खैरा का उदाहरण देते हुए बताया कि यह गांव सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश के लिए आदर्श बना है। उन्होंने ग्रामीणों से ग्राम खैरा से प्रेरणा लेकर अपने घरों में सोलर पैनल लगवाने कहा। इससे बिजली बिल के खर्च में कमी आएगी तथा स्वच्छ ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

कलेक्टर ने महतारी वंदन योजना के तहत नियमित आर्थिक सहायता प्राप्त कर रही महिलाओं को बधाई दी। उन्होंने महिलाओं को प्राप्त राशि का सदुपयोग परिवार की आवश्यकताओं एवं आजीविका संवर्धन में करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि जिले में नए उद्योगों की स्थापना एवं औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से आने वाले समय में स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। कलेक्टर ने अभिभावकों से बच्चों को मोबाइल की लत से बचाने तथा पढ़ाई, खेलकूद एवं रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। उन्होंने ग्रामीण रोजगार से जुड़े कार्यों में पात्र दिव्यांगजनों को निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप मेट जैसे कार्यों में अवसर प्रदान करने कहा। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेकर किसान, महिलाएं एवं युवा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उन्होंने ग्रामीणों को आधुनिक खेती, जल संरक्षण एवं सौर ऊर्जा अपनाकर ग्राम जंगलेशर को कृषि विकास के क्षेत्र में आदर्श गांव बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर एसडीएम गौतम पाटिल, जिला खाद्य अधिकारी रविन्द्र सोनी, उप संचालक कृषि टीकम ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

खास खबर

विश्व शौचालय दिवस : सार्वजनिक शौचालयों में चला सफाई अभियान, आयुक्त ने किया आकांक्षी शौचालय का निरीक्षण



नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर गुरुवार को नगर निगम सीमा क्षेत्र के सार्वजनिक शौचालयों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। निगम के स्वास्थ्य अमले ने शहर के शौचालयों की साफ-सफाई की और केयर टेकरों को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इस दौरान शौचालय उपयोग करने वालों और आसपास के नागरिकों को खुले में शौच न करने तथा स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया।सियकल करें

निगम आयुक्त जीआर मरकाम ने पेण्ड्री स्थित मेडिकल कॉलेज के पास निर्मित आकांक्षी शौचालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए केयर टेकर को नियमित साफ-सफाई के साथ पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महिलाओं, बच्चों और दिव्यांगजनों की सुविधा पर विशेष जोर :

आयुक्त ने शौचालय में जल आपूर्ति, बिजली व प्रकाश व्यवस्था, हाथ धोने की सुविधा और मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं हर समय उपलब्ध रखने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए किए गए प्रावधानों पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही स्वास्थ्य अमले को निगम क्षेत्र के सभी सार्वजनिक शौचालयों की प्रतिदिन नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समर्थन मूल्य पर होगी कोदो-कुटकी की खरीदी किसान 31 दिसंबर तक कराएं पंजीयन

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

किसानों की आय बढ़ाने तथा फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा कोदो-कुटकी को टरढ में खरीदी करने की विशेष पहल की जा रही है। जिसके तहत कोदो-कुटकी फसल की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाएगी जो किसानों को उनकी उपज का उचित एवं सुनिश्चित मूल्य दिलाने की दिशा में विशेष पहल है। इसके अतिरिक्त कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत कोदो-कुटकी की फसल लेने वाले किसानों को 10,000 प्रति एकड़ की आदान सहायता राशि प्रदान की जा रही है।

कृषि विभाग के उप संचालक चित्रांगद ठाकुर ने बताया कि कोदो-कुटकी फसल उपज की समर्थन मूल्य पर खरीदी तथा कृषक उन्नति योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए सेवा सहकारी समितियों में पंजीयन किया जाना अनिवार्य है। शासन द्वारा एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 31 दिसंबर 2026 की गई है। अब किसान निर्धारित समय-सीमा के भीतर कोदो-कुटकी का पंजीयन कर सकते हैं।

जिले के छुईखदान विकासखंड में व्यापक स्तर पर दूरांचल क्षेत्र के कृषको के द्वारा कोदो-कुटकी फसल का उत्पादन लिया जा रहा है इन किसानों के कोदो-कुटकी फसल उपज की खरीदी के लिए बकरकट्टा, नचनिया, ठाकुरटोला एवं पाटा (मोथली) को केन्द्र बनाने का प्रस्ताव भेजा गया है शासन से खरीदी केन्द्र निर्धारित होने पर इन केन्द्रों के माध्यम से खरीदी किया जायेगा।

योजना में पारदर्शिता एवं पात्र किसानों को वास्तविक लाभ दिलाने के लिए एग्रीस्टेक, एकीकृत किसान पोर्टल एवं गिरदावरी डिजिटल प्रणाली को अनिवार्य किया गया है। एकीकृत किसान पोर्टल पर किसानों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी भूमि एवं बोई गई फसल का ऑनलाइन पंजीयन सेवा सहकारी समितियों में कराना होगा। किसान अपनी फसल प्रविष्टि में आवश्यक संशोधन अथवा पंजीयन संबंधी जानकारी के लिए अपने नजदीकी सेवा सहकारी समिति, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी अथवा विकासखंड कृषि कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

इंदिरा जयंती पर कांग्रेस भवन में विविध आयोजन संगठनात्मक मजबूती का लिया गया संकल्प

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



जिला कांग्रेस कमेटी, राजनांदगांव द्वारा इंदिरा गांधी जयंती के अवसर पर कांग्रेस भवन में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विपिन यादव की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रमों की संपूर्ण तैयारियां एवं व्यवस्थाएं जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश डाकलिया के समन्वय एवं देखरेख में की गई।

कार्यक्रम की शुरूआत देश की पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय इंदिरा गांधी की जयंती पर उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं ने उनके व्यक्तित्व, नेतृत्व क्षमता और ऐतिहासिक योगदान को याद किया।

वक्ताओं ने कहा कि इंदिरा गांधी ने बैंक राष्ट्रीयकरण जैसे ऐतिहासिक फैसलों के माध्यम से देश की आर्थिक व्यवस्था को नई दिशा दी तथा भारत को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके साहसिक नेतृत्व और राष्ट्रहित में लिए गए निर्णय सदैव प्रेरणा देते रहेंगे। इस अवसर पर कांग्रेस की विचारधारा को मजबूत करने और संविधान, लोकतंत्र तथा जनहित के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया गया।

इसके पश्चात दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए आपसी प्रेम, सद्भाव, भाईचारे और संगठनात्मक एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारियों को पहचान पत्र प्रदान किए गए। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले ब्लॉक अध्यक्षों एवं जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारिणी सदस्यों को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। नगर देवांगन समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राहुल देवांगन का भी स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया गया।

जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता व मीडिया प्रभारी अनीस खान ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के बीच आपसी समन्वय, आत्मीयता और एकजुटता को और मजबूत करना था। इसके बाद सभी ने सामूहिक रूप से भोजन किया।

इसके पश्चात संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी कार्यक्रमों, जनहित के मुद्दों और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में आगामी 26 नवंबर को रायपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संविधान रक्षा मार्च में सहभागिता करने तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार दिसंबर माह तक चलने वाले मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण अभियान को पूरी गंभीरता से संचालित करने का निर्णय लिया गया। इसके तहत मतदाता सूची की जांच, पात्र मतदाताओं के नाम जुड़वाने और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को सामने लाने के लिए घर-घर संपर्क अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए कार्यकताओं को मतदाता प्रहरी के रूप में जिम्मेदारी निभाने की बात कही गई।

प्रदेश महामंत्री शाहिद भाई, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक फड़नवीस एवं जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अनीस खान ने आगामी अभियान की कार्यप्रणाली एवं जिम्मेदारियों के संबंध में उपस्थित जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करने, पात्र मतदाताओं के नाम जुड़वाने तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता को चिन्हित करने की प्रक्रिया से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री राहुल तिवारी ने किया तथा आभार प्रदर्शन पंकज बाँधव ने किया।

इस अवसर पर विधायक भोला राम साहू, विधायक हर्षिता स्वामी बघेल, पूर्व मंत्री धनेश पटिला, पूर्व विधायक छन्नी साहू, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के पूर्व अध्यक्ष नवाज खान, श्रीकिशन खण्डेलवाल, रमेश राठौर, कुतुबुद्दीन सोलंकी, भागवत साहू, पद्मा कोठारी, दिनेश शर्मा, कुलबीर छाबड़ा, हेमा देशमुख, सुदेश देशमुख, प्रदेश प्रवक्ता रूपेश दुबे, कमलजीत पिंटू, विवेक वासनिक, आफताब आलम, फिरोज अंसारी, जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक अध्यक्ष शकील रिजवी, फूलमती वर्मा, पंकज बाँधव, राहुल तिवारी, रज्जू जॉन, मन्ना यादव, आसिफ अली, झम्मन देवांगन, श्रीमती रमा देवी वर्मा, सीमा यादव, क्रांति बंजारे, दुर्गेश द्विवेदी, जय नारायण सिंह, जितेंद्र भाटिया, रितेश जैन, चुम्मन साहू अछोली, राजू सिंह राजपूत, ललित कोमरे, शिशुपाल भारती, चंद्रेश वर्मा, प्रभा साहू, हेमू सोनी, अमित अग्रवाल, केदार यादव, रतन यादव, सुरेश सिन्हा, गणेश साहू, संजय मुटकुरे, विष्णु लोधी, मदन साहू, अमीन डके, मतीन खान सहित के प्रवक्ता अनीस खान ने आगामी अभियान की ब्लॉक अध्यक्ष रोहित चंद्राकर, हरीश भंडारी, कार्यप्रणाली एवं जिम्मेदारियों के संबंध में धर्मेंद्र साहू, प्रताप धावड़े, पुसाऊ राम वर्मा, उपस्थित जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों लोकनाथ भारती, सूरज शर्मा, नवीन जायसवाल, एवं कार्यकताओं को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने गौरव शर्मा, कुमारनाथ बघेल, गंभीर साहू, घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करने, फरमान अली, मोहम्मद इब्राहिम, सागर तम्रकार, पात्र मतदाताओं के नाम जुड़वाने तथा किसी भी केशव तांडी, दयावान देवांगन एवं विक्की पटेल, प्रकार की अनियमितता को चिन्हित करने की शकील कुरैशी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन प्रक्रिया से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन उपस्थित रहे।

जिला मुख्यालय में सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से नागरिकों को मिल रही सुविधाएं



नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार नोडल अधिकारी सेवा सेतु एवं डिप्टी कलेक्टर अभिषेक तिवारी द्वारा जिला कार्यालय स्थित सेवा सेतु केन्द्र का निरीक्षण किया गया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान सेवा सेतु केन्द्र में नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केन्द्र में प्राप्त आवेदनों, उनके निराकरण की स्थिति तथा नागरिकों को प्रदान की जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। सेवा सेतु केन्द्र में आने वाले नागरिकों को शासन की विभिन्न सेवाओं का लाभ सरल, सुगम एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान ई-डिस्ट्रिक्ट सहायक प्रबंधक आशीष स्वर्णकार एवं सेवा सेतु प्रबंधक उपस्थित थे।

जिला मुख्यालय राजनांदगांव में सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं सुगमता से उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिला मुख्यालय आने वाले नागरिकों को आवश्यक प्रमाण-पत्र, महत्वपूर्ण दस्तावेज एवं लाइसेंस संबंधी सेवाएं एक ही स्थान पर प्राप्त होने से सुविधा मिल रही है। शासन की मंशा के अनुरूप नागरिकों को पारदर्शी, सरल एवं सहज सेवाएं उपलब्ध कराया जा रहा है। सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से नागरिकों को आय, जाति, निवास, विवाह पंजीयन एवं प्रमाण-पत्र तथा जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र सहित अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके साथ ही राजस्व एवं भूमि संबंधी सेवाओं अंतर्गत भू-अभिलेखों की प्रतिलिपि, भूमि उपयोग संबंधी जानकारी एवं नामपरिवर्तन से संबंधित सेवाएं भी प्रदान की जा रही हैं। नगरीय प्रशासन से जुड़ी सेवाओं में गुमास्ता (ट्रेड लाइसेंस), नल कनेक्शन हेतु आवेदन तथा ठेकेदारों के ऑनलाइन पंजीयन की सुविधा भी उपलब्ध है।

शासकीय सेवाओं को अधिक पारदर्शी एवं सुलभ बनाने के लिए सेवा सेतु केन्द्रों के माध्यम से ऑनलाइन सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। नागरिक सेवा सेतु ऑनलाइन पोर्टल पर स्वयं पंजीयन कर विभिन्न सेवाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं। प्रमाण-पत्रों में क्यूआर कोड की सुविधा होने से दस्तावेजों का ऑनलाइन सत्यापन आसान हुआ है तथा उनकी प्रामाणिकता सुनिश्चित करने में सहायता मिल रही है। एसएमएस के माध्यम से आवेदन की स्थिति की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही व्हाट्सएप के माध्यम से भी प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकते है।

युवा खेल प्रतियोगितापूर्व सैनिकों ने बढ़ाया हौसला, कबड्डी व दौड़ में युवाओं ने दिखाया दमखम

नई दृष्टिबिंदु / डोंगरगांव



युवाओं को नशे से दूर रखकर स्वस्थ व अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से मेरा युवा भारत, राजनांदगांव के तत्वावधान में डोंगरगांव विकासखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता हुई। नशामुक्ति के 100 सप्ताह के विशेष अभियान के तहत आयोजित इस स्पर्धा में लगभग 70 युवाओं ने उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा व दमखम दिखाया।नक्शे देखें

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की इस पहल के तहत 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं को खेल व सकारात्मक गतिविधियों से जोड़कर राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। युवाओं को अपनी ऊर्जा नशे के बजाय खेल, शिक्षा, फिटनेस और रचनात्मक कार्यों में लगाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पूर्व सैनिक प्रवीण साहू, देवेंद्र कुमार देवांगन, दिलीप चंद्राकर, देवेंद्र चंद्राकर व ओमप्रकाश साहू मौजूद रहे। आयोजन जिला युवा अधिकारी शुभजीत डे के मार्गदर्शन में हुआ, जिसकी जिम्मेदारी विकासखंड की राष्ट्रीय युवा स्वयंसेविका रूपमाला साहू ने निभाई। मंच संचालन व समन्वय में पूर्व स्वयंसेवक व युवा कलाकार धनंजय साहू का सहयोग रहा।

कबड्डी में सीखर अकैडमी प्रथम और हल्दी वॉरियर्स द्वितीय रही। रस्साकसी में योगिता पटेल की अगुवाई वाली सीखर अकैडमी टीम पहले व लक्ष्मी यादव के नेतृत्व वाली हल्दी वॉरियर्स की टीम दूसरे स्थान पर रही। 100 मीटर दौड़ में योगिता पटेल प्रथम, झुमकी देवांगन द्वितीय और तिप्ती यादव तृतीय रहीं। 400 मीटर दौड़ में जितेश कुमार पहले, आसिफ कुमार दूसरे व तुलेश्वर कुमार तीसरे स्थान पर रहे। गोला फेंक में किशोर कुमार प्रथम, दिनेश द्वितीय और गोवर्धन तृतीय रहे, जबकि तवा फेंक में एकमात्र प्रतिभागी श्रेया पटेल को विजेता घोषित किया गया।

पूर्व सैनिक दिलीप चंद्राकर ने युवाओं को सेना व डिफेंस क्षेत्र में भविष्य बनाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि देशसेवा के लिए अनुशासन, आत्मविश्वास, मानसिक दृढ़ता और शारीरिक फिटनेस बेहद जरूरी है। अतिथियों ने कहा कि नशा युवाओं के भविष्य व स्वास्थ्य के लिए गंभीर सामाजिक बुराई है, इससे स्वयं बचने के साथ दूसरों को भी जागरूक करना चाहिए। नशे को कहें ना, खेल को कहें हां के संदेश के साथ हुए आयोजन से क्षेत्र में नशामुक्ति अभियान को नई गति मिली।

प्रशासन सख्त

किसानों को धान बेचने में नहीं होगी परेशानी, 3,140 किसानों के रकबे में किया गया सुधार, धान खरीदी से लेकर कस्टम मिलिंग तक प्रशासन की सख्त निगरानी, पारदर्शिता और समयबद्धता पर विशेष जोर

बालोद में धान खरीदी ने पकड़ी रफ्तार, 5 हजार से अधिक किसानों से 21,200.92 मीट्रिक टन धान की खरीदी

नई दृष्टिबिंदु / बालोद



खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत बालोद जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। बालोद जिले में अब तक 5 हजार से अधिक किसानों से 21,200.92 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। किसानों को सुगम एवं पारदर्शी खरीदी व्यवस्था उपलब्ध कराने के साथ ही अवैध धान भंडारण, परिवहन और कस्टम मिलिंग में अनियमितताओं पर भी जिला प्रशासन द्वारा सख्ती बरती जा रही है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार धान उपार्जन केंद्रों से लेकर राइस मिलों तक पूरी प्रक्रिया की सतत निगरानी की जा रही है।

खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में 15 नवंबर 2026 से प्रारंभ हुई धान खरीदी के तहत 20 नवंबर तक 5 हजार से अधिक किसानों से कुल 21,200.92 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है। प्रशासन द्वारा सभी खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं व्यवस्थित रहे।

3,140 किसानों के रकबे में सुधार, शेष प्रकरणों का निराकरण भी जारी

किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की तकनीकी अथवा अभिलेखीय परेशानी न हो, इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा रकबा एवं फसल संबंधी त्रुटियों के सुधार की विशेष व्यवस्था की गई है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में कुल 1,58,572 किसानों का पंजीयन किया गया है। इनमें से 5,743 किसानों का रकबा समिति मॉड्यूल में शून्य प्रदर्शित हो रहा था। किसानों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए समिति स्तर पर रकबा सुधार की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके परिणामस्वरूप 20 नवंबर तक 3,140 किसानों के रकबे में सुधार किया जा चुका है। शेष किसानों के प्रकरणों का निराकरण भी प्राथमिकता से किया जा रहा है।

अवैध धान भंडारण और बिचौलियों पर सख्ती, 306.4 क्विंटल धान जब्त

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का लाभ वास्तविक किसानों तक सुनिश्चित करने और अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिले में 06 कोचियों के पास अवैध रूप से भंडारित कुल 306.4 क्विंटल धान जब्त किया गया है। संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की गई है। प्रशासन द्वारा धान के अवैध भंडारण एवं परिवहन पर निगरानी रखने के साथ ही संबंधित विभागों को नियमित जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

9 राइस मिलरों को कारण बताओ नोटिस

धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराने के लिए भी प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने जिले के राइस मिलरों की बैठक लेकर खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में कस्टम मिलिंग के लिए उठाए गए धान के विरुद्ध चावल जमा करने की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान निर्धारित समय-सीमा में देनदारी का चावल जमा नहीं करने वाले 09 राइस मिलरों के प्रति कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित मिलरों को कस्टम मिलिंग नीति एवं छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश, 2016 के प्रावधानों के तहत कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

एक सप्ताह में राज्य पूल में जमा करना होगा शेष चावल

कलेक्टर ने संबंधित राइस मिलरों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे एक सप्ताह के भीतर राज्य पूल में अपनी देनदारी का शेष चावल अनिवार्य रूप से जमा करें। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित नियमों और समय-सीमा का पालन प्रत्येक मिलर के लिए आवश्यक है। कस्टम मिलिंग के कार्य में अनावश्यक विलंब अथवा चावल जमा करने में लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा और संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सोलह दूनी आठ
नई दृष्टिबिंदु

साप्ताहिक कॉलम

राजवल्लभ मिश्रा



ऐसे कैसे सर !

पीसीसी की गाड़ी के ड्रायवर बेहतरीन गाड़ी चलाते हैं लेकिन सरगुजा में पता नहीं क्या होता है कि उनकी गाड़ी ठोकाती ही है। सुखदेव भगत के दौरे के दौरान कुछ ऐसा हुआ कि, महंत और सिंहदेव की सीधी नाराजगी बैज को झेलनी पड़ गई। मसला ये हुआ कि, केते एक्सटेंशन तारा दौरे से लौटते वक्त एक समूह ने बगैर निर्धारित कार्यक्रम के काफि ले को रोका। रोक कर माल्यार्पण तक भी मसला ठीक था, देखते ही देखते बैज सुखदेव भगत को लेकर स्टेज पर नजर आ गए। भाषण भी हो गया। इस पूरे कार्यक्रम जो कि घटना में बदल गया के दौरान सिंहदेव और महंत गाड़ी में ही रहे और उतरे ही नहीं। जैसे ही नेता द्वय वापस पहुंचे। सिंहदेव की बेहद तल्ख टिप्पणी बैज को सुननी पड़ गई। यह टिप्पणी इतनी गहरी थी कि, बैज जब मनेंद्रगढ़ पहुंचे तो मंच से भी उन्होने बगैर नाम लिए कहा – 'अध्यक्ष को सबसे मिलना होता है, लेकिन इस फेर में डॉट भी पड़ जाती है। कल सीनियर लीडर से डॉट पड़ी है।' इस पूरे मसले को करीब से देख रहे एक सीनियर ने सहाफी से कहा- 'डिसिप्लिन की बात कर के सबको संदेश देने वाले खुद संगठन का डिसिप्लिन तोड़ेंगे तो यह होगा ही।' इस सीनियर ने कहा-'इसी समूह ने लखनपुर में कांग्रेस की अधिकृत बॉडी के स्वागत से दूर खड़े होकर स्वागत किया, और लौटते हुए फिर वही हो गया तो यह समझना कठिन तो है नहीं कि, यह समूह कांग्रेस के संगठन खेमें से अलग अपनी पहचान बताना चाह रहा है, फिर भला बैज जी इसे क्यों नहीं समझे ? गाड़ी गलत चलेगी तो एक्सीडेंट होगा ही और एक्सीडेंट होगा तो यही माना जाएगा कि ड्रायवर सही नहीं है।'

जवाब

सूबे के एक जिले में एक घटना की खबर तैरी। ब्यौरा कुछ यूँ था कि, कहीं चोरी/डकैती की कोई घटना हुई और महिला से गैंगरेप भी हुआ। जिस जिले का यह घटनाक्रम बताया गया वहाँ पुलिस साहब ने सन्नाटा रखा हुआ था, याने ना चूँ ना चां। मगर रिसते रिसते खबर उत्तर छत्तीसगढ़ से दक्षिण छत्तीसगढ़ तक पहुँच गई। नतीजतन सहाफी ने बड़े साहब को नमस्ते कर पूछा कि ऐसी कोई घटना हुई है क्या ? बड़े साहब ने गौर से देखा और काँफी का कप उठाने का इशारा करते हुए बेहद ही दिलचस्प शब्दों में जवाब दिया। उन्होने कहा -इंसिडेंट इज नॉट क्लियर, बट इन्वेस्टिगेशन इज ऑन। याने घटना हुई या नहीं हुई यह स्पष्ट नहीं लेकिन जाँच जारी है। अब इस जवाब के बाद भला कोई सवाल बचता ही कहाँ है जो पूछा जाता, नतीजे में सहाफी बैग उठाकर रवानगी ले लिया।

मलबा ही नहीं बहा है

छत्तीसगढ़ में औद्योगिक क्रांति का सपना देख रहे धनकुबेर और सरकार की गोद में बैठे नौनिहालों के लिए बीता हफ़्ता कष्टकारी साबित हो रहा है। पहला लफड़ा तो सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले से हो गया है जिसमें सर्वोच्च अदालत ने ग्रामसभा की शक्ति को औपचारिक नहीं बल्कि स्थाई अनिवार्य बताया है। यह बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा है उसके मायने यह हैं कि, ग्रामसभा का ना होना या कि, ग्रामसभा का सही रुप में ना होना या कि ग्राम सभा की असहमति को टेंगे पर रखना बिल्कुल नहीं चलेगा। लेकिन सरगुजा से लेकर बस्तर तक में ग्रामसभा को लेकर तो यही मसला है। दूसरी मार यह हुई है कि, दंतेवाड़ा में रायड्ड ही बह गया है। उद्योगों के साथ पूरी ताकत से खड़ी सुशासन सरकार की ओर से कोई हलचल ही नहीं है जांच जैसी बात तो दूर ही है। लेकिन ऐसा तो है नहीं कि सरकार जांच नहीं करेगी तो कुछ मसला सामने नहीं आएगा। मसले सामने आ रहे हैं जो कि चुगली लगा रहे हैं कि रायड्ड ने कई हैक्टेयर के जंगल बर्बाद कर दिए हैं, कई गांव और आश्रित मजरे टोलों को तबाह के साथ साथ पहुंच विहीन कर दिया है। इन सब पर सरकार की चुप्पी को लेकर एक साहब ने सहाफी को बताया है कि, इसका सकारात्मक मतलब यह है कि, सरकार को कुछ करने लायक लग ही नहीं रहा है। रायड्ड बहा है, प्लांट अगली बार मजबूत बाँध बाँधेगा। बस्तर के आदिवासी संघर्ष की अग्नि में पल कर कुंदन हो जाते हैं तो वह भी इस रायड्ड के सूखने तक कुंदन हो ही लेंगे। रह गया जंगल तो उसका क्या है, जमीन पर तबाह हुआ है कागज में आबाद दिखा देंगे। सहाफी ने ग्रामसभा पर पूछा तो साहब ने कहा- देखो अभी मोदी जी बताकर गए हैं न.. दिमागी नक्सली ! तो चिंता मत करो। लेकिन चुगलखोर बता रहे हैं कि, ये सब मामले मसला बन रहे हैं।

भगवान भरोसे

लोग नाराज रहते हैं रिसाए रहते हैं कि, अजीब सरकार है कुछ काम का काम पता ही नहीं चलता। अजगर भी फेल है सरकार की तंद्रा टूटने की गति के आगे। याने अफलातून जो न पाए वही सुशासन सरकार की गति दुर्गति कर देता है। लेकिन हालिया दिनों सहाफी को पाँचवीं मंज़िल से एक साहब ने समझाया है कि मसला क्या है। साहब ने बताया है कि, देखो ये सरकार भगवान पर भरोसा रखने वाली सरकार है। सरकार को पता है संसार है नश्वर, लोक है मृत्युलोक, जो होता है प्रभु की मर्जी से ही होता है। जो आज है कल नहीं होगा क्योंकि जो कल था वह आज नहीं है इसलिए धर्म और भगवान पर अगाध श्रद्धा विश्वास रखने वाली सरकार यह मानती है कि अपनी चेष्टा से काल को वश में नहीं करना है, जब जब जो जो होना है वह हो ही जाएगा, सरकार तो केवल निमित्त मात्र है। ट्रांसफर हो या पोस्टिंग, या किसी को बगैर प्रभार के करना या कुछ भी, इन सब के लिए सरकार यही मानती है कि, जो आज है कल स्वयमेव नहीं होगा तो हड़बड़ी कैसी, क्योंकि संसार में सब नश्वर है। सहाफी सुनते सुनते बरबस पूछ बैठा – मतलब सरकार के भरोसे सब बैठे हैं और सरकार खुद भगवान भरोसे बैठी है ? साहब ने कहा – तुम फिर भ्रम में जा रहे हो, देखो मोक्ष की ओर बढ़ो, याद रखो सब नश्वर है, और यह तो स्थापित है ही कि जो करेंगे भगवान करेंगे, सरकार तो केवल निमित्त है।

ये कौन है

महकमे की अपनी खनक है और अपनी धमक है। मुख्यालय ही नियम बनाता है और सबसे पहले वहीं नियम भसक जाता है। लेकिन ये डिसिप्लिन का जादू है कि कोई कुछ बोलता नहीं। अब ये अलग बात है कि फिर बात बाहर कैसे आ जाती है। जैसे बस्तर कांड के बाद नियम बना कि, हर टेबल पर बैठने वाले की टेबल निरंतर बदली जाए ताकि कोई लफड़ा बवाल टंटा ना हो, लेकिन मुख्यालय में ही इस कायदे की गाड़ी टकरा के चारों खाने चित्त है। इस चारों खाने चित्त मसले की जब बात चलती है तो एक बाबू का खूब ज़िक्र होता है जिसे राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी खूब जानते हैं। कहते हैं कि जब तक ये बाबू कुछ इशारा ना दे तब तक कई लोग सूरज के उदित और अस्त होने तक को खारिज कर देते हैं। किसी ने जोड़ा है कि, यह बात मजबूरी की है क्योंकि ना टेबल बदल रही ना बाबू, तो ये जो चौधड़िया बताता है वही अंतिम सत्य मानने के अलावा कोई विकल्प ही नहीं है।

कितने हैं

छत्तीसगढ़ में वह डिपार्टमेंट कौन हो सकता है जो यह बता दे कि कितने ग्राम पंचायत अनएक्सिसेबल एरिया हैं याने पहुंच विहीन हैं। यूँ कई मौकों पर सरकार वो सरकार फिर कांग्रेस की हो या बीजेपी की यह दावा करती रही है कि, विकास अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच गया है, कुछ मजरे टोले हों तो बात अलग है वर्ना पहुंच विहीनता जैसा कोई मसला किसी ग्राम पंचायत के साथ रिकॉर्ड में है ही नहीं। लेकिन सहाफी इस सवाल का जवाब तलाशने में परेशान हैं कि यदि अलग अलग दलों की सरकार अलग अलग समय यही दावा चिपकाती रही हैं तो फिर कभी एंबुलेंस के ना पहुँचने या खाट पर मरीज को ढोने जैसा मसला क्यों सामने आता है ? धरमजयगढ़ के छुहीपहाड़ में एक गर्भवती की मौत हो गई क्यों क्योंकि मसला वही पहुंचविहीनता का था ।याद रखिए धरमजयगढ़ उसी रायगढ़ का हिस्सा है जो उद्योगों का गढ़ है और सरकार उद्योग और खनन को ही विकास का इकलौता मानक मानते हुए पूरी गति से जुटी हुई है ।सूचनाओं में दर्ज है कि, छुहीपहाड की वह महिला विशेष संरक्षित जनजाति की थी।

विज्ञप्ति पढ़ते होंगे !

दुर्ग में करोड़ों के घोटाले में किसी आरोपी तक रंगदारी टैक्स के लिए फोन व्हाट्सएप कॉल से आया। घोटाले में करोड़ों का हिसाब किताब करने की बात कहते हुए 15 करोड़ मांगे गए हैं इसके पहले रायपुर में भी घोटालों में फँसे एक कारोबारी के संगे भाई को इसी संदर्भ प्रसंग के साथ बिल्कुल इसी अंदाज में कॉल किया गया था। यह भी संयोग ही है कि रायपुर के मसले पर पुलिस को धेले भर की सफलता नहीं मिली है या कि सूत बराबर भी मसला आगे नहीं बढ़ा है। इसकी माकूल वजह भी मौजूद है। पुलिस मान रही है कि फोन विदेश से ही आ रहे हैं तो अब भला विदेश के मसले पर स्टेट पुलिस करे भी तो क्या करे। लेकिन एक सवाल उड़ रहा है कि, क्या विदेश से आते ये कॉलर बैठ के एजेंसियों की विज्ञप्तियाँ या घोटालों की खबरें पढ़ कर रेंडम स्टाइल में शिकार छाँट रहे हैं ? लेकिन इस उड़ते सवाल का जवाब तो तब आएगा जब कोई फंटर धराएगा। बाकी आप ऐसा ना समझें कि पुलिस कुछ कर नहीं रही है। मसलन कि पुलिस अव्वल तो ऐसे मामले में कुछ मीडिया से बोलती नहीं है, मीडिया को पता चल गया कि कुछ कॉल वाला मसला है तो केवल यह बताया जाता है कि, हाँ एक मामला है जिसमें फोन पर धमकी उगाही का मसला है, बाकी नाम मत पूछिए गोपनीयता का सुरक्षा का मसला है। अब ये अलग बात है कि, किसे फोन आया कितने बार फोन आया क्या कहा गया वह तो छपता ही है साथ में जिसे फोन आया उसकी तस्वीरें भी छप जाती हैं। अब एसपी साहबान परेशान भी हैं और हैरान भी।

कारसेवा

बस्तर इलाके से खबर है कि, एक जिले में एक समुदाय/समाज ने कथित रुप से पूजा स्थल/समाज स्थल पर हो रहे सरकारी निर्माण पर सीधी कार्यवाही कर दी है। अब ये कार्यवाही विधि विरुद्ध है या नहीं है यह अन्वेषण का मसला है, जो तब हो जब सरकार के हाथ पांव ना फूलें हों। बहरहाल तैरती अफवाहों पर दर्ज है कि, समुदाय/समाज इस कदर उग्र हुआ है कि, सरकारी स्टाफ के लिए बन रहे आवासीय परिसर की बाउंड्रीवाल तोड़ कर मैदान कर दिया गया। इस कारसेवा के ठीक पहले परंपरागत तरीके से पूजा पाठ भी हुई और कारसेवा के बाद झंडा फहरा दिया गया। इन इलाकों में मसला ये भी है कि, सरकार और सिस्टम मैदान में अरसे से गुमशुदा रहा है। लेकिन लैंड रिकॉर्ड और उस पर कलम चलाने का पॉवर सरकारी अमले और सिस्टम का ही रहा है। लोचा यहीं है मौके पर जमीन को लेकर समाज/समुदाय का दावा है कि यह तो बरसों से हमारी है लेकिन रिकॉर्ड में जमीन सरकारी दर्ज है।

महेन्द्र नगर व प्रभात नगर में आंगनबाड़ी भवन का महापौर मधुसूदन ने किया लोकार्पण

बच्चे स्वयं के भवन में प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण करेंगे, वहीं बच्चे और गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्यवर्धक पोषक आहार मिलेगा



नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

नगर निगम द्वारा शहर विकास की कड़ी में गुरुगोविंद सिंह वार्ड नं. 23 के महेन्द्र नगर एवं प्रभात नगर में महिला एवं बाल विकास परियोजना अंतर्गत 12-12 लाख रुपये की लागत से आंगनबाड़ी भवन का निर्माण किया गया है। जिसका आज महापौर मधुसूदन यादव ने दोनों जगह एक संक्षिप्त एवं गरिमामय आयोजन में फीता काटकर पट्टिका का अनावरण कर लोकार्पण किया।

कार्यक्रम में राजस्व विभाग के प्रभारी सदस्य एवं वार्ड पार्षद राजा माखीजा, पूर्व पार्षद गुरुमुखदास वाधवा के अलावा राजकुमार डुलानी, अरुण डुलानी, प्रकाश वाधवानी, गंभीर जैन, आलोक बिंदल, हिमांशु सोनी, श्यामाबाई नायक की विशेष उपस्थिति रही।

लोकार्पण कार्यक्रम में अपने संबोधन में महापौर यादव ने वार्डवासियों को बधाई देते हुए कहा कि, वार्डवासियों की मांग पर इस वार्ड में बच्चों के लिए सर्वसुविधा युक्त दो आंगनबाड़ी भवन बनाया गया है, जिसमें वार्ड के बच्चे स्वयं के भवन में प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण करेंगे, वहीं बच्चे एवं गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्यवर्धक पोषक आहार मिलेगा।

उन्होंने कहा कि नगर के विधायक डॉ. रमन सिंह एवं सांसद संतोष पाण्डे की अनुशंसा पर शासन द्वारा नगर विकास के लिए दी गई राशि से शहर में विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस वार्ड में हाउसिंग बोर्ड उद्यान का जीर्णोद्धार एवं वार्ड के विभिन्न हिस्सों में नाली निर्माण भी कराया जाएगा, जिसका औपचारिक रूप से भूमिपूजन किया गया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप इसी प्रकार के विकास कार्य सभी वार्डों में कराए जाएंगे।

दोनों स्थानों में आयोजित कार्यक्रम के पूर्व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका तथा वार्डवासियों ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। तत्पश्चात अतिथियों ने पूजा अर्चना कर आंगनबाड़ी भवनों का विधिवत लोकार्पण किया। लोकार्पण अवसर पर उप अभियंता तिलक राज ध्रुव सहित निगम का अमला व वार्डवासी उपस्थित थे।

होटल चौहान इम्पीरियल में भाजपा जिला भिलाई का भव्य दीपावली मिलन समारोह



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

होटल चौहान इम्पीरियल में भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई द्वारा आयोजित भव्य दीपावली मिलन समारोह में वरिष्ठ भाजपा नेता कन्हैया सोनी को कार्यक्रम के संयोजक के रूप में महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन करने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाने का अवसर प्राप्त हुआ। बेहतरीन आयोजन से सभी प्रसन्न हुए।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, पूर्व सांसद सुश्री सरोज पांडेय, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय एवं विधायक ललित चंद्राकर सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही, पूर्व विधायक (डोंगरगढ़) रामजी भारती, प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कुलेश्वरी देवांगन एवं भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन उपस्थित रहे।

साथ ही भाजपा के जिला एवं मंडल पदाधिकारीगण, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा सहित विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस आत्मीय मिलन समारोह ने संगठन की एकजुटता, आपसी प्रेम और भाईचारे को और अधिक मजबूत करने का संदेश दिया।

समारोह में वरिष्ठ भाजपा नेता कन्हैया सोनी रहे कार्यक्रम के संयोजक



ठेकेदार के कर्मचारियों ने दी गाली-गलौच व जान से मारने की धमकी, भरत वर्मा ने एसपी से की कठोर कार्रवाई की मांग

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पूर्व महामंत्री एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के उपाध्यक्ष भरत लाल वर्मा ने सड़क निर्माण कर रहे ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा गाली-गलौच एवं जान से मारने की धमकी दिए जाने के मामले में पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव को लिखित शिकायत सौंपी है। उन्होंने कुमदां से घुपसाल के बीच काम कर रहे ठेकेदार के कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

भरत वर्मा ने पत्र में बताया है कि दिनांक 20.11.2026 को वे मोहला-मानपुर के दौरे पर जा रहे थे। रास्ते में ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान रोड निर्माण के संबंध में शिकायत मिली, जिसके संबंध में वे सड़क निर्माण स्थल पर निरीक्षण कर रहे थे। उसी दरमियान रोड निर्माण कर रहे ठेकेदार के कर्मचारियों ने "आप कौन हो जो निरीक्षण कर रहे हो" कहकर गंदी-गंदी गाली देने लगे, साथ ही जान से मारने की धमकी देने लगे। शिकायत के अनुसार कर्मचारियों ने कहा कि "तुमको छत्तीसगढ़ में कहीं भी दिखोंगे तो तुमको जान सहित खत्म कर देंगे, क्योंकि तुम पूर्व में भी मुख्यमंत्री तक से शिकायत किए हो।"

भरत वर्मा ने लिखा है कि आम रोड पर ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा अभद्रतापूर्वक गाली-गलौच व जान से मारने की धमकी देने से उन्हें काफी बुरा लगा और वे मानसिक रूप से आहत महसूस कर रहे हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से निवेदन किया है कि ठेकेदार के कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कानूनी कार्रवाई की जाए।

301 क्विंटल धान जब्त, चिल्फी चेकपोस्ट पर बड़ी कार्रवाई

कवर्धा। धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने और दूसरे राज्यों से अवैध रूप से धान लाकर खपाने की कोशिशों पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में कबीरधाम जिले के चिल्फी अंतर्राज्यीय चेकपोस्ट पर संयुक्त जांच टीम ने बिहार से लाए जा रहे धान से भरे एक ट्रक को जब्त किया है। ट्रक में कुल 750 बोरी धान लोड था, जिसकी मात्रा 301 क्विंटल दर्ज की गई है। जांच के दौरान मंडी अधिनियम का उल्लंघन पाए जाने पर ट्रक को जब्त कर प्रकरण तैयार किया गया है। कलेक्टर के निर्देश पर संयुक्त टीम की कार्रवाई कबीरधाम कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देशानुसार जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में धान के अवैध परिवहन को रोकने के लिए विशेष निगरानी की जा रही है।







"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100